RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:239 ता. 20 मार्च 2023, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

महाराष्ट्र में क्यों टकराई भाजपा और शिंदे सेना? सीट शेयरिंग को लेकर कहासुनी

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में सीट शेयरिंग को लेकर भाजपा और शिंदे सेना आमने सामने आ गई। महाराष्ट्र में भाजपा इकाई के अध्यक्ष बावनकुले ने कहा था कि भाजपा 240 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

मुंबई। महाराष्ट्र में भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले के एक बयान की वजह से एकनाथ शिंदे की शिवसेना और भाजपा आमने-सामने आ गई है। बावनकुले ने कहा था कि 2024 में होने वाला विधानसभा चुनाव के लिए सीट शेयरिंग का फार्मुला तय हो गया है। उन्होंने कहा था कि भाजपा 240 सीटों पर मैदान में उतरेगी। वहीं शिंदे की सेना 48 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। महाराष्ट्र में कुल 288 विधानसभा सीटें हैं। बावनकुले के इस बयान के बाद शिंदे सेना की तरफ से भी जवाब मिला। बाद में बावनकुले ने कहा कि अभी सीटों का फार्मुला तय नहीं हुआ है बल्कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया है।

शिंदे सेना का जवाब

बावनकुले के जवाब के बाद शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने कहा कि उनकी पार्टी 130 से 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

वहीं शिंदे की सेना 48 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। महाराष्ट्र में कुल 288 विधानसभा सीटें हैं। बावनकुले के इस बयान के बाद शिंदे सेना की तरफ से भी जवाब मिला। बाद में बावनकुले ने कहा कि अभी सीटों का फार्मुला तय नहीं हुआ है बल्कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा शिवसेना से बड़ी है इसलिए यह तो स्पष्ट है कि वह ज्यादा सीटों पर उतरेगी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि शिवसेना 125 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ेगी। बावकुले को लेकर उन्होंने कहा कि पार्टी के नेताओं को उन्हें समझाना चाहिए।

बावनकुले ने क्या दी सफाई

गायकवाड़ ने कहा, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि यह शिंदे गुट नहीं है बल्कि वही शिवसेना है जिसकी स्थापना बालासाहेब ठाकरे ने की थी। भाजपा और शिवसेना का गठबंधन बालासाहेब ने ही किया था। हमारा गठबंधन पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ है। अगर कोई दूसरा नेता कुछ भी बयान देता है तो इसके कोई मायने नहीं हैं। बावनकुले ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर यह बयान दिया था ताकि पदाधिकारी मेहनत में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि उनके पूरे भाषण को नहीं दिखाया गया।

बावनकुले ने सीएम शिंदे पर भी तंज कसते हुए कहा था कि उनके पास 50 ही विधायक हैं। इससे ज्यादा सीट की उन्हें जरूरत नहीं है। यह बयान जब वायरल होने लगा तो इसका वीडियो सोशल मीडिया से हटा दिया गया। बता दें कि भाजपा के पास इस समय 105 विधायक हैं।

एच3एन2 इंफ्लुएंजा वायरस से बचाव के लिए तैयारियां तेज

लखनऊः उत्तर प्रदेश में एच3एन2 इंफ्लुएंजा वायरस के बढ़ते मामलों को देखकर राज्य सरकार सतर्क हो गई है। इसके लिए बचाव कार्य की तैयारियां अब और भी तेज कर दी गई है। जिसके चलते प्रदेश के सभी जिलों में रैपिड रिस्पांस टीमों गठित की गई है। जो जिलों में संक्रमित मरीजों की देखभाल करेंगी और रोगियों की निगरानी करेंगी। वहीं, सभी जिलों से एच3एन2 इंफ्लुएंजा वायरस से बचाव के लिए वैक्सीन लगाई जाएगी। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते बुधवार को स्वास्थ्य विभाग के लिए निर्देश जारी किए थे। सीएम ने कहा कि, एच3एन2 इन्फ्लूएंजा वायरस को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट रहे और राज्य में जितने भी मरीज इस वायरस से संक्रमित है उनके इलाज के लिए बेहतर व्यवस्था की जाएं। हर रोगी का ध्यान रखा जाए और उनका बेहतर तरीके से उपचार किया जाएं। इसी के चलते सभी जिलों में RRT का गठन किया गया। आरआरटी में एक-एक जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ, फिजिशियन, एपीडेमियोलाजिस्ट, पैथोलाजिस्ट, लैब टेक्नीशियन व माइक्राबायोलाजिस्ट शामिल किया गया है। वायरस से बचने के लिए लगाई जाएंगी वैक्सीन एच3एन2 इंफ्लुएंजा से बचाव के लिए मरीजों के उपचार में लगे डाक्टरों, पैरामेडिकल कर्मियों व लैब में तैनात स्टाफ के अलावा गर्भवती महिलाओं, गंभीर रोगियों, बुजुर्गों व छह महीने से लेकर 8 वर्ष तक की उम्र के बच्चों को यह वैक्सीन लगाई जाएगी। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. विक्रम सिंह ने बताया है कि, एच3एन2 इंफ्लुएंजा से बचाव के लिए सीजनल इंफ्लुएंजा की ही वैक्सीन लगाई जाएगी। यह वैक्सीन वायरस में हुए बदलावों के अनुसार ही अपडेट होती रहती है। ऐसे में एच3एन2 इंफ्लुएंजा में भी यह कारगर साबित होगी। राज्य नोडल अधिकारी डॉ. अनुज त्रिपाठी ने बताया कि वैक्सीन की मांग की जा रही है

दिल्ली से विकेंड पर घूमना हुआ आसान..

यूपी, देहरादून, श्रीनगर जाने में लगेगा कम समय, गडकरी ने दी यह जानकारी

नई दिल्ली। एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जानकारी देते हुए कहा कि इस साल के अंत में एनएचएआई के कई सारे प्रोजेक्ट पूरे हो जाएंगे, और इसकी वजह से बहुत से शहरों तक दिल्ली वालों का सफर आसान हो जाएगा। गौरतलब है कि महानगरों में काम के दबाव के चलते अपना वीकेंड मनाने बाहर जाते हैं, और वीकेंड मनाने के दौरान अगर लोगों को अच्छी सड़कें ट्रैफिक जाम से मुक्ति सारी सुविधाएं मिलें तो उनका वीकेंड बन जाता है। दिल्ली की बात करें तो लोग यहां से उत्तराखंड, देहरादून, मसूरी, राजस्थान ,पंजाब जैसी जगहों पर जाना पसंद करते हैं। दिल्ली से नजदीक इन राज्यों में जाने के लिए लोगों को अभी ज्यादा समय लगता है, लेकिन अब आने वाले कुछ ही महीनों में मिलने जा रहे कई एक्सप्रेसवे की सौगात से लोगों का सफर आसान हो जाएगा। एनएचएआई के प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद दिल्ली से उत्तराखंड, जम्मू, राजस्थान, यूपी जाने के समय में काफी बचत हो सकेगी। आपको बता दें कि राजधानी दिल्ली से वीकेंड प्लान बनाने वाले लोगों के लिए एनएचएआई के पूरा होने वाले यह प्रोजेक्ट काफी मददगार होंगे। उदाहरण के तौर पर दिल्ली से देहरादून जाने में पहले 5 से 6 घंटे का वक्त लगता था, लेकिन अब सिर्फ 2 से 2.5 घंटे में लोग देहरादून पहुंच सकेंगे।

दिल्ली से वीकेंड प्लान बनाने वाले लोगों के लिए एनएचएआई के पूरा होने वाले यह प्रोजेक्ट काफी मददगार होंगे।

वहीं दिल्ली से अमृतसर जाने में जो पहले 8 घंटे का वक्त लगता था अब 4 घंटे में लोग पहुंच सकेंगे। इसके अलावा राजधानी से श्रीनगर जाने में जहां पहले 20 से 22 घंटे का वक्त लगता था। वहीं अब 8 से 10 घंटे में राजधानी से श्रीनगर पहुंच पाएंगे।

इंदौर से राजकोट जा रही यात्री बस अनियंत्रित होकर पलटी

30 यात्री घायल, कुछ की हालत गंभीर

उज्जैन। जिले के भूखीमाता-मुल्लापुरा बायपास पर शनिवार देर रात एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना में बस सवार करीब 30 यात्रियों के घायल होने की खबर है। घायलों में 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची महाकाल थाना पुलिस ने? सभी घायलों को जिला अस्पताल? भिजवाया, जहां उनका उपचार जारी है। बस एसएन ट्रेवल्स की बताई जा रही है और इंदौर से राजकोट जा रही थी। जानकारी अनुसार एसएन ट्रैवल्स की वीडियोकोच बस

शनिवार रात को इंदौर से राजकोट के लिए रवाना हुई थी। उज्जैन में देवासगेट पर बस रात करीब 9 बजे पहुंची थी। यहां से यात्री बस में सवार हुए थे। इसके बाद बस राजकोट के लिए रवाना हुई थी। इस दौरान रात करीब 11 बजे चिंतामन ब्रिज उतरने के बाद बस मुल्लापुरा बायपास के समीप तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर अंधे मोड़ के कारण पलट गई। बस पलटते ही बस का इंजन ही टूट कर अलग हो गया।

घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। सूचना मिलने पर महाकाल पुलिस बल मौके पर पहुंचा और बचाव कार्य शुरू किया। हादसे में करीब 30 यात्री घायल हो गए। इनमें कुछ की हालत गंभीर है। घायलों को तत्काल बाहर निकालकर उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया।

हादसे की खबर लगते कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम और एएसपी अभिषेक आनंद भी अस्पताल पहुंचे। आनन-फानन सभी डॉक्टरों को बुलवाया गया और इलाज शुरू करवाया गया। एसआई जयंत डामोर ने बताया कि मार्ग पर अंधेरा था व स्पीड भी अधिक होने की वजह से हादसे की संभावना है। घायलों के बयान लेकर जांच की जाएगी।

इंडिगो की फ्लाइट में स्मोकिंग करते पकड़ा गया यात्री, बेंगलुरु एयरपोर्ट पर पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर अधिकारियों ने एक यात्री को इंडिगो के एक विमान के शौचालय में धूम्रपान करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। एयरपोर्ट पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान शहरी चौधरी के रूप में हुई है। उसने 6श्च-716 इंडिगो की उड़ान से असम से बेंगलुरु जाते समय इस कृत्य को अंजाम दिया। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर उतरते ही यात्री को हिरासत में ले लिया गया। सूत्रों के मुताबिक यह घटना शुक्रवार दोपहर 1.30 बजे की है। एयरपोर्ट पुलिस ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है। इसके पहले मार्च के पहले हफ्ते में 24 वर्षीय एक महिला को कोलकाता से इंडिगो की उड़ान में शौचालय में धूम्रपान करते हुए पकड़ा गया था।

कहां है अमृतपाल सिंह? पुलिस की आंख में धूल झोंककर फिर फरार; सड़क पर मिली कार

चंडीगढ़। खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। उसकी लोकेशन ट्रेस करते हुए जैसे ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, वहां उसकी कार मिली लेकिन, अमृतपाल हाथ नहीं लगा। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अमृतपाल सिंह एक बार फिर पुलिस की आंख में धूल झोंककर भाग निकला। हालांकि पंजाब पुलिस अधिकारी लगातार दावा कर रहे हैं कि जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बता दें कि शनिवार को भी अमृतपाल सिंह पुलिस को चकमा देकर फरार होने में कामयाब रहा था। पंजाब पुलिस चप्पे-चप्पे पर खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह की तलाश कर रही है। अमृतपाल के 78 साथियों को कल ही

गिरफ्तार किया जा चुका है। बस अमृतपाल हाथ लगना बाकी है। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उसके हर संभावित ठिकानों की घेराबंदी कर तलाश की जा रही है। वह ज्यादा देर तक पुलिस को चकमा नहीं दे पाएगा।

दूसरी बार चकमा दिया

पंजाब पुलिस सूत्रों का कहना है कि अमृतपाल की लोकेशन ट्रेस करते हुए पुलिस टीम जैसे ही मौके पर पहुंची, वहां उसकी कार मिली लेकिन वो गायब था। एक बार फिर अमृतपाल पुलिस को चकमा देने में कामयाब रहा है। इससे पहले शनिवार को पुलिस टीम ने अमृतपाल की घेराबंदी की थी, उसके साथी तो गिरफ्तार हो गए लेकिन, अमृतपाल बच निकला। बताया जा रहा है कि इस बार वह बाइक पर जाते हुए देखा गया है। पुलिस टीम उसे कभी भी गिरफ्तार कर सकती है।

पूरे पंजाब में हाई अलर्ट

उधर, अमृतपाल की गिरफ्तारी को लेकर पूरे पंजाब में हाई अलर्ट है। राज्य में सुरक्षा के मद्देनजर इंटरनेट और एमएसएस सेवा बाधित की गई है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस के बल तैनात हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, दिया सवालों का जवाब

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आज कहा कि उन्हें यह देखकर दुख होता है कि कोई चीन पर हंस रहा है और भारत के बारे में उपेक्षा कर रहा है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने राजधानी के ताज पैलेस में इंडिया टुडे कॉन्क्लेव के 20वें संस्करण में शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा हाल ही में दिए गए बयानों का जवाब देते हुए कहा कि भारत के नागरिक के रूप में यह देखना परेशान करने वाला था कि ''किसी को चीन पर लार टपक रही है।

उन्होंने कहा, ''जब गले लगाने वाले पांडा चीन का बाज़ बनने की कोशिश करते हैं... तो वह उड़ता नहीं है। श्री राहुल गांधी के हाल ही में ब्रिटेन में दिए गए संबोधन के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा, ''मैं भारत के नागरिक के रूप में परेशान हूं, जब मैं किसी को चीन के बारे में रोते हुए और भारत के हितों को खारिज करने की कोशिश खारिज करता हूं। डॉ जयशंकर ने राहुल गांधी के भारत के 'चीन से डरने के आरोपों का भी जवाब दिया। राहुल गांधी चीन की प्रशंसा करते हुए बात करते हैं और देश को 'सद्भाव' बताते हैं, वे कहते हैं कि चीन सबसे बड़ा निर्माता है और कहते हैं कि'मेक इन इंडिया काम नहीं करेगा। विदेश मंत्री ने राहुल गांधी को तीखा जवाब देते हुए कहा, ''देश के बारे में आपके विचार हो सकते हैं, लेकिन आपको राष्ट्रीय मनोबल को कम नहीं करना चाहिए। डॉ. जयशंकर से विपक्ष के आरोपों के बारे में भी सवाल किया

गया था कि सरकार चीन सीमा पर स्थिति के बारे में ईमानदार नहीं है।

उन्होंने कहा, ''ये वही विरोधी हैं जिन्होंने कहा था कि सीमा को अविकसित छोड़ दें ताकि चीनी अंदर न आ सकें। चीन के साथ भारत के मौजूदा संबंधों पर उनके रुख के बारे में पूछे जाने पर डॉ. जयशंकर ने कहा, ''चीन के साथ हमारे समय में यह बहुत चुनौतीपूर्ण दौर है। स्थिति अभी भी बहुत नाजुक बनी हुई है क्योंकि ऐसी जगहें हैं जहां अभी भी सैनिकों की तैनाती पर ध्यान देने की जरूरत है। विदेश मंत्री एस जयशंकर से पूछा गया कि भारत में गार्सेटी का स्वागत कैसा होगा. इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें यहाँ आने दीजिए। प्यार से समझा देंगे।

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) पर अपने रुख का विस्तार करते हुए, डॉ. जयशंकर ने चुटकी ली कि सामान्य ज्ञान को राजनीतिक शुद्धता के अधीन नहीं होना चाहिए। उन्होंने लुटेनबर्ग संशोधन और स्पेक्टर संशोधन का उदाहरण दिया, जो विशिष्ट धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए अमेरिकी नागरिकता प्रक्रिया को तेजी से ट्रैक करने के लिए लक्षित हैं। ऐसी नीतियां केवल अमेरिका तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि यूरोपीय देशों में भी चलन में हैं।एस जयशंकर ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, दिया सवालों का जवाब

असम के कोकराझार में लगी भीषण आग, कई दुकानें जलकर खाक

कोकराझार। असम के कोकराझार जिले में रविवार तड़के भीषण आग लगने से कई दुकानें जलकर खाक हो गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आग गोसाईगांव के हौरियापेट इलाके में तड़के करीब चार बजे लगी। उन्होंने बताया कि करीब 12-15 दुकानें जलकर खाक हो गईं, लेकिन आग में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि आग पर काबू पाने से पहले ही करीब एक करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति का नुकसान हो चुका था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, 'ऐसा प्रतीत होता है कि आग बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी, लेकिन हम पूरी जांच के बाद ही वास्तविक कारण का पता लगा सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में कैब खाई में गिरी, छात्रों समेत 14 घायल

पुंछ/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में रविवार को लोगों से खचाखच भरी एक कैब के सड़क से फिसल कर खाई में गिर जाने से स्कूली छात्रों समेत 14 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना मेंढर के केरी गलहुटा गांव के पास सुबह साढ़े दस बजे के करीब हुई। उन्होंने बताया कि स्कूली छात्र बोर्ड परीक्षा में शामिल होने के लिए जा रहे थे, तभी चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान तुरंत शुरू किया गया और घायलों को अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि दो लड़कियों जाहिरा और रुखसाना को गंभीर चोटें आईं तथा बाद में उन्हें विशेष इलाज के लिए राजौरी के राजकीय मेडिकल कॉलेज स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

अगले 6-7 दिनों तक देश के कई राज्यों में बारिश की स्थिति बनी रहेगी

नई दिल्ली। देश के अधिकांश राज्यों में बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया है। मार्च में लोगों को गुलाबी ठंड का एहसास हो रहा है। मौसम विभाग के ताजा अपडेट्स के मुताबिक, कुछ राज्यों में अभी यह स्थिति जारी रहेगी। अलर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के अलग-अलग इलाकों में गरज के साथ बारिश हो सकती है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में कई जगहों के अलावा राजस्थान के दीग में बारिश होने की अधिक संभावना है। बारिश के कारण तापमान में गिरावट देखी जा सकती है। भारत के अधिकांश राज्यों के लिए येलो अलर्ट है। मेघालय और असम में भारी बारिश की उम्मीद कर रहे हैं। आईएमडी ने कहा, अगले 6-7 दिनों तक बारिश की स्थिति बनी रह सकती है। मौसम सुहावना रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ पूर्व की ओर बढ़ रहा है।

साल 2022 में तस्करी कर लाया गया करीब 3500 किलोग्राम सोना जब्त, 47 प्रतिशत बढ़ोतरी

नयी दिल्ली। देश में पिछले साल तस्करी कर लाया गया 3502 किलोग्राम सोना जब्त किया गया जो वर्ष 2021 के मुकाबले 47 प्रतिशत अधिक है। इनमें से भी सबसे अधिक जब्ती केरल राज्य में की गई। सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आंकड़ों के मुताबिक विभिन्न सरकारी एजेंसियों ने वर्ष 2021 में 2,383.38 किलोग्राम सोने की जब्ती की थी। वहीं, वर्ष में 2020 में तस्करी कर लाया गया 2,154.58 किलोग्राम सोना जब्त किया गया। आंकड़ों में बताया कि गया कि वर्ष 2023 के शुरुआती दो महीने में 916.37 किलोग्राम सोना जब्त किया जा चुका है। वित्त मंत्रालय ने राज्य सभा में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में यह जानकारी दी। वित्त मंत्रालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2022 में सोना जब्ती के 3,982 मामले सामने आए, जबकि वर्ष 2022 में ऐसे मामलों की संख्या 2,445 थी। केरल में वर्ष 2022 में 755.81 किलोग्राम सोना जब्त किया गया जबकि उससे पिछले साल राज्य में 586.95 किलोग्राम सोना जब्त किया गया था। राज्य में पिछले साल तस्करी कर सोना लाने के 1,035 मामले दर्ज किए गए। वजन के आधार पर केरल के बाद सबसे अधिक 535.65 किलोग्राम सोना महाराष्ट्र में जब्त किया गया, जबकि 519 किलोग्राम सोना जब्ती के साथ तमिलनाडु तीसरे स्थान पर रहा। आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर, लेह और लद्दाख से कुल 556.69 किलोग्राम सोना जब्त किया गया। मंत्रालय ने बताया कि गत तीन साल राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने सोना तस्करी के तीन मामलों की जांच की। गौरतलब है कि भारत सोने का उपभोग करने के मामले में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश है।

सीमा सुरक्षा बल महानिदेशक और बीजीबी के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बैठक

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक सुजॉय लाल थाओसेन ने त्रिपुरा में भारत-बांग्लादेश सीमा का दौरा कर बीजीबी के वरिष्ठ अधिकारी के साथ बैठक कर मादक पदार्थों की तस्करी रोकने सहित प्रभावी सीमा प्रबंधन की रणनीति पर चर्चा की। बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्री थाओसेन के साथ बीएसएफ के त्रिपुरा फ्रंटियर के महानिरीक्षक सुमित शरण भी सीमावर्ती इलाके में गए और बलों के अभियान संबंधी तैनाती का जायजा लिया। उन्होंने बताया, बॉर्डर गार्डस बांग्लादेश (बीजीबी) के सराइल के क्षेत्रीय कमांडर ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद शाहिद इस्लाम के साथ अगरतला-अखुरा इंटिग्रेटेड चेकपोस्ट (आईसीपी) पर हुई बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने सहित कई मामलों पर चर्चा हुई। बीएसएफ के अधिकारी ने बताया, बीएसएफ के प्रमुख उत्तरी त्रिपुरा जिले के 'दीपक' सीमावर्ती आउटपोस्ट और सेपाहिजिला जिले के एनसी नगर में बिना बाड़ वाली 1,960 मीटर लंबी सीमा का दौरा कर वहां हो रहे बाड़ लगाने के काम की समीक्षा की।'' थाओसेन ने सीमा पर मौजूद सिपाहियों से बात करके उन्हें आने वाली समस्याओं के बारे में जाना। उन्होंने कहा, महानिदेशक ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अपराधों को नियंत्रित करने में बीएसएफ के त्रिपुरा फ्रंटियर द्वारा किए जा रहे अथक प्रयास की सराहना की। वहीं दौरे पर बीएसएफ प्रमुख ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और मुख्य सचिव जेके सिन्हा से शिष्टचार भेंट भी की।

खेतों में बिछ गई गेहूं की फसल, किसानों की उम्मीदों पर गिरा पानी

- बेमौसम बारिश व ओले गिरने से किसानों की फसल बर्बाद

सहारनपुर। किसान गेहूं व सरसों की फसल की अप्रैल माह में कटाई शुरू कर देते हैं। फिलहाल किसान की यह मुख्य फसल पूरी तरह से तैयार है, लेकिन बेमौसम बरसात के कारण इन फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ा है, क्योंकि इन दिनों होने वाली बरसात के कारण जहां फसलें गिर जाती हैं, वहीं ओलावृष्टि के कारण भी फसलों को काफी हानि पहुंचती है। पिछले 2 दिनों से जनपद में खराब मौसम के कारण हुई बरसात से किसानों के गेहूं की फसल व सरसों में काफी नुकसान हुआ है। बेमौसम बरसात के कारण गेहूं व सरसों की फसल का उत्पादन घट गया है, जिससे किसानो के चेहरे मायूस देखे जा सकते हैं। गेहूं व सरसों किसान की मुख्य फसल है और यह उसके पूरे परिवार के लिए पूरे साल गुजर-बसर के लिए होती है। एक किसान ने मीडिया को बताया कि उसने करीब 7 बीघा खेत में गेहूं की फसल बोई थी। उसने मजदूरी करके और कुछ बाजार से उधार लेकर अपने खेत में गेहूं की फसल तैयार की थी, लेकिन बेमौसम हुई बरसात व आंधी के कारण किसान की 7 बीघा फसल पूरी तरह से नष्ट हो गयी। भारी आवाज व नम आंखों से किसान ने बताया कि मैंने अपने खेत में मेहनत-मजदूरी करके इस फसल को तैयार किया था तथा मुझे उम्मीद थी कि इस बार मुझे गेहूं की फसल से अच्छी आमदनी हो जाएगी, लेकिन प्रकृति की मार ने मेरी फसल को तो बर्बाद कर ही दिया, साथ ही मेरे सपनों पर भी पानी फेर दिया। भावुक हुए किसान ने कहा कि यदि अब मुझे खेत में लगी लागत भी मिलने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने प्रशासन से फसल में हुए नुकसान का मुआवजा दिए जाने की अपील की है।

80 प्रतिशत गेहूं की फसल चौपट : किसानों ने बताया कि मौसम हुई बरसात से आंधी के कारण किसान की 80 प्रतिशत गेहूं की फसल पूरी तरह से जमीन पर बिछ चुकी है। उन्होंने बताया कि इस आपदा के बाद गेहूं की फसल का उत्पादन भी बहुत कम हो जाएगा। किसान ने बताया कि जनपद में इस बार गेहूं की फसल की बंपर पैदावार की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन इस खराब मौसम के कारण हुई हानि से जहां गेहूं वह सरसों की गुणवत्ता पर असर पड़ेगा, वहीं निश्चित रूप से पैदावार भी कम हो जाएगी।

प्रजातंत्र में उन लोगों के लिए कोई जगह नहीं, जो इसमें विश्वास नहीं रखते : नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर प्रजातंत्र की हर मर्यादा लांघने का आरोप लगाया और कहा कि उनसे लोकतांत्रिक तरीके से 'अपना बोरिया बिस्तर' समेटने के लिए कहना चाहिए। नड्डा ने चेन्नई में भारतीय जनता युवा मोर्चा की 'राष्ट्रीय युवा संसद' का उद्घाटन करने के बाद डिजिटल माध्यम से दिए संबोधन में कहा, ''जिन्हें लोकतंत्र में विश्वास नहीं है, उनके लिए लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है।'' उन्होंने राहुल पर अमेरिका और यूरोपीय देशों जैसी विदेशी ताकतों को भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए ''उकसाने'' का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस आज मानसिक दिवालियेपन से ग्रसित है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ''राहुल गांधी ने लोकतंत्र की हर मर्यादा लांघ दी है।'' उन्होंने कहा, ''वह (राहुल) किस तरह के बयान देते हैं। भारत के लोग उनकी बात नहीं सुनते, वे सिर्फ उन्हें झेलते हैं।'' नड्डा ने कहा, ''राहुल गांधी ने भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में अपनी शर्मनाक टिप्पणियों से न सिर्फ देश का अपमान किया है, बल्कि दूसरे देशों को हमारे देश में हस्तक्षेप करने के लिए भी आमंत्रित किया है।'' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को लोकतांत्रिक तरीके से बोरिया बिस्तर समेटने के लिए कहना चाहिए। बहरहाल, कांग्रेस ने भाजपा के आरोप को खारिज किया है। राहुल ने ब्रिटेन में अपनी टिप्पणियों पर सत्तारूढ़ दल के सदस्यों की आलोचना का जवाब देने के लिए संसद में बोलने की अनुमति मांगी है।

कांग्रेस ने दावा किया है कि भाजपा अडाणी समूह से जुड़े मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए राहुल गांधी की टिप्पणियों की ''गलत व्याख्या'' कर रही है। नड्डा ने अपने संबोधन में सरकार द्वारा देश में युवाओं के लिए लाए गए सकारात्मक बदलावों पर भी बात की। उन्होंने भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मेडिकल कॉलेजों के अलावा विश्वविद्यालय जैसे पेशेवर शैक्षणिक संस्थानों की बढ़ती संख्या का हवाला देते हुए कहा, ''मोदी जी के नेतृत्व में भारत पूरी तरह बदल गया है। यह युवाओं के लिए सही वक्त है।'' भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि 2014 से पहले लोग भारत को सबसे ''भ्रष्ट'' देशों में से एक देखते थे। वह नीतिगत पंगुता से प्रभावित था।

नड्डा ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत एक अग्रणी देश बन गया है, जो दुनिया को राह दिखाता है और प्रधानमंत्री देश को भ्रष्टाचार, अपराध और वंशवादी शासन से बाहर निकाल रहे हैं तथा उसे समावेशी विकास के रास्ते पर चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने

आगामी ओलंपिक, एशियाई खेलों और कई अन्य खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन में मदद के लिए भारी रकम का आवंटन किया है। उन्होंने 'नेशनल एअर स्पोर्ट पॉलिसी 2022' को एक और अहम उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इसमें भारत में हवाई खेलों के लिए सुरक्षित, किफायती और सतत पारिस्थितिकी मुहैया कराकर 2030 तक उसे शीर्ष खेल वाले राष्ट्रों में से एक बनाने की दूरदृष्टि पेश की गयी है।

भारत व चीन के संबंध चुनौतीपूर्ण, एलएसी पर हालात बहुत नाजुक: विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि मौजूदा समय में भारत और चीन के संबंध सबसे चुनौतीपूर्ण हैं। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति बहुत नाजुक बनी हुई है। कुछ इलाकों में भारत और चीन के सैनिकों की नजदीक तैनाती के चलते हालात काफी खतरनाक हैं। एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री ने कहा कि पहले जो समझौते हुए हैं, उनका चीन ने उल्लंघन किया है। चीन समझौतों का उल्लंघन करके यह नहीं दिखा सकता कि सब कुछ सामान्य है। हम साफ कर चुके हैं कि समझौतों का उल्लंघन नहीं सहेंगे। हमने चीनियों को स्पष्ट कर दिया है कि हमें शांति भंग की स्थिति कबूल नहीं है। जयशंकर ने कहा कि हम चीन से संबंधों को इसलिए चुनौतीपूर्ण कहते हैं कि 1988 से लेकर जब राजीव गांधी वहां गए थे, साल 2020 तक हमारे बीच समझ यह थी कि सीमा पर शांति बनाए रखी जाएगी। सीमा पर विभिन्न स्थितियों से निपटने के लिए 'प्रोटोकॉल' बनाए गए थे। चीन ने 2020 में समझौतों का उल्लंघन किया, जिसके परिणाम गलवान घाटी और अन्य इलाकों में देखने को मिले। हमने अपने सैनिकों को

तैनात किया है, हम अपनी जमीन पर डटे हैं।

जयशंकर ने कहा कि मैं और चीन के तत्कालीन विदेश मंत्री वांग यी सितंबर 2020 में इस बारे में सैद्धांतिक रूप में सहमत थे कि इस मुद्दे को कैसे सुलझाया जाए। जिस बात पर सहमति बनी थी, उसे चीन को पूरा करना है। जब तक इन समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता, तब तक दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंध सामान्य नहीं हो सकते हैं। भारत और चीन के सैनिक पूर्वी लद्दाख में कुछ जगहों पर लगभग तीन साल से आमने-सामने हैं। हालांकि, दोनों पक्षों ने व्यापक कूटनीतिक और सैन्य बातचीत के बाद कई क्षेत्रों से सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां हम इस बारे में चर्चा कर रहे हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) पर भारत में अमेरिका के नए राजदूत एरिक गार्सेटी के रुख का जवाब दिया है। दरअसल गार्सेटी ने पहले सीएए को मुस्लिम विरोधी और भेदभाव वाला बताया था। इस पर जयशंकर ने कहा कि उन्हें आने दीजिए। हम उन्हें प्यार से समझा देंगे। जयशंकर ने कहा कि नागरिकता के लिए दुनिया के अलग-अलग देशों में अलग-अलग मानदंड हैं। अगर आप यूरोप को देखेंगे तो वहां जर्मनी के लोगों को आसानी से नागरिकता मिल जाती है। अगर कोई पाकिस्तानी हिंदू है, जिसका उत्पीड़न किया गया हो, तो वह भारत की जगह और कहां जाएगा। यह ऐसी सच्चाई है, जिसे हर कोई जानता है। लॉस एंजिलिस के पूर्व मेयर एरिक गार्सेटी भारत में अमेरिका के नए राजदूत होंगे। अमेरिकी सीनेट ने उनके नाम पर मुहर लगा दी है। इसके पहले केनिथ जस्टर भारत में अमेरिका के आखिरी राजदूत थे, जिन्हें जनवरी 2021 में अमेरिकी सरकार ने वापस बुला लिया था।

भारत में 2050 तक खाद्य आपूर्ति की समस्या से पैदा हो सकती

नई दिल्ली। ग्लोबल वार्मिंग के कारण पड़ने वाले दुष्प्रभावों के कारण जल्द दुनिया के कई देशों को खाद्य आपूर्ति की समस्या से पैदा हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक तापमान और भोजन की स्थिति पर एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि भारत को 2050 में पानी और गर्मी के तनाव के कारण खाद्य आपूर्ति में 16 प्रतिशत से अधिक की कमी का सामना करना पड़ेगा, जिससे खाद्य असुरक्षित आबादी में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होगी। हालांकि, रिपोर्ट में चीन को शीर्ष पर रखा गया है, जहां खाद्य आपूर्ति में 22.4 प्रतिशत की कमी आएगी, इसके बाद दक्षिण अमेरिका में 19.4 प्रतिशत की कमी होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन और आसियान सदस्यों सहित कई एशियाई देश, जो वर्तमान में शुद्ध खाद्य निर्यातक हैं, 2050 तक शुद्ध खाद्य आयातक बन जाएंगे। पानी के तनाव का मतलब है कि स्वच्छ या उपयोग करने योग्य पानी की मांग तेजी से बढ़ रही है, जबकि जल स्रोत सिकुड़ रहे हैं। 2019 में जल संकट का सामना करने के मामले में भारत वैश्विक स्तर पर 13वें स्थान पर है। भारत में जल आपूर्ति की उपलब्धता 1100-1197 बिलियन क्यूबिक मीटर के बीच है। इसके विपरीत, मांग 2010 में 550-710 बीसीएम से बढ़कर 2050 में लगभग 900-1,400 बीसीएम तक बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट बताती है कि भारत की खराब जल नीति डिजाइन जल तनाव को दूर करने में एक बड़ी बाधा है। यह किसानों को भारत की ऊर्जा सब्सिडी को लक्षित करता है, जो पानी के अधिक उपयोग को बढ़ावा देता है, जिससे जलभृत की कमी होती है।

अरविंद केजरीवाल ने की मनीष सिसोदिया की तारीफ, कहा 100 प्रतिशत नंबर लेकर आएंगे बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जेल में बंद आप नेता मनीष सिसोदिया की 19 मार्च को जमकर तारीफ की है। मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद से लगातार आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और अन्य नेता केंद्र सरकार को लेकर हमलावर है। अब अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए मनीष सिसोदिया की जमकर तारीफ की है।

अरविंद केजरीवाल दिल्ली के रोहिणी में स्कूल ऑफ स्पेशलाइज एक्सीलेंस की नई स्कूल बिल्डिंग का शिलान्यास करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि आज हमारे साथ मनीष जी नहं है। अभी कुछ दिन पहले कुछ बच्चे मेरे पाए आए थे। उन्होंने कहा कि मनीष सर की बुहत याद आती है। शिक्षकों का भी कहना है कि वो मनीष जी को मिस करते है। उन्होंने कहा कि शिक्षक कहते हैं कि मनीष जी पर झूठे आरोप लगाकर उन्हें गलत तरीके से फंसाया गया है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मनीष जी ने दिल्ली के सभी स्कूलों के छात्रों के लिए खास मैसेज भेजा है। उन्होंने कहा है कि मैं ठीक हूं, चिंता नहीं करें और पढ़ाई पर ध्यान दें। उन्होने कहा कि मनीष जी को जेल से भी दिल्ली के छात्रों की पढ़ाई और सेहत की चिंता है। उन्होंने कहा कि सच्चाई के रास्ते पर चलने वालों की परीक्षा भगवान लेते है। उन्होंने राजा हरिशचंद्र का उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी भी भगवान ने परीक्षा ली थी की किसी समय में राजपाठ होने के बाद भी एक समय ऐसा आया जब उनके पास बेटे के शव के लिए कफन का इंतजाम करने की सुविधा नहीं थी। ऐसी ही परीक्षा अभी मनीष जी की हो रही है। इसमें वो 100 प्रतिशत अंकों के साथ पास होकर फिर आपके पास लौटेंगे।

मोदी सरकार के आगे नहीं झुकने वाले न्यायाधीशों को धमका रहे केंद्रीय मंत्री रिजिजू : राउत

-राहुल गांधी माफी नहीं मांगेंगे

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने आरोप लगाया कि कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को ''भारत विरोधी गिरोह का हिस्सा बताने वाली केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू की टिप्पणियां न्यायपालिका पर दबाव बनाने और न्यायाधीशों को धमकाने की कोशिश हैं। एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने दावा किया था कि ''भारत विरोधी गिरोह का हिस्सा रहे कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीश और कार्यकर्ता यह कोशिश कर रहे हैं कि भारतीय न्यायपालिका विपक्षी दल की भूमिका निभाए। पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री रीजीजू की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देकर राउत ने कहा, यह किस तरह का लोकतंत्र है? क्या किसी कानून मंत्री को न्यायपालिका को धमकी देना शोभा देता है? उन्होंने कहा, यह उन न्यायाधीशों को धमकी है, जिन्होंने सरकार के आगे झुकने से इनकार किया और यह न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश है। सरकार की आलोचना करने का मतलब देश के खिलाफ बोलना नहीं होता।''

राउत ने कहा कि कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी के देश में लोकतंत्र के खतरे में होने के बारे में बोलने के बाद अब उन्हें लोकसभा से निलंबित कराने की कवायद चल रही है। राहुल से अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगने के लिए कहने से जुड़े एक सवाल के जवाब में राउत ने कहा, राहुल गांधी माफी नहीं मांगेंगे और उन्हें माफी क्यों मांगनी चाहिए? उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने विदेशी धरती पर देश और उसके नेताओं के खिलाफ बोला है।

तेजस्वी पहले नीतिश कुमार को पलटूराम कहते थे, अब चचाजान कहते हैं: ओवैसी

-दोनों मिलकर मलाई खा रहे हैं

किशनगंज (एजेंसी)। एआईएमआईएम के चीफ और सांसद असदुद्दीन ओवैसी दो दिन के बिहार के सीमांचल दौरे पर हैं। किशनगंज जिले के कोचाधामन प्रखंड के भट्टा हाट में जनसभा को संबोधित करते हुए औवैसी ने महागठबंधन और मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। ओवैसी ने कहा कि नीतीश एआईएमआईएम को मुसलमानों की पार्टी बताते हैं। वहां ये क्यों नहीं कहते कि बिहार में यादव और कुशवाहा, कुर्मी की पार्टी भी है। नीतीश को सिर्फ सत्ता का मोह है। और मुसलमानों से नफरत है।

ओवैसी ने कहा कि सीमांचल का अभी तक विकास नहीं हुआ है। और पिछड़ेपन की राह पर है। जल संसाधन विभाग का सालाना बजट 32 हजार करोड़ है, इसमें सीमांचल की हिस्सेदारी महज 50 करोड़ की है। सीएम नीतीश एक तरफ राजगीर के लोगों को गंगा जल पिला रहे हैं। वहीं सीमांचल के लोगों को जहरीला पानी पिला रहे । राजगीर में मुख्यमंत्री ने कांच का पुल बनाया और सीमांचल में कई पुल आधे-अधूरे पड़े हैं।लेकिन अब बिहार की सियासत का फैसला सीमांचल करेगा। नीतीश पर हमला कर ओवैसी ने कहा कि कभी तेजस्वी नीतीश को पलटूराम बोलते थे। अब चचाजान बोलेते हैं। अब दोनों मिलकर मलाई खा रहे हैं। और सीमांचल को सूखा छोड़ दिया है। ओवैसी ने कहा कि दिल्ली का रास्ता अब बिहार से नहीं सीमांचल से होकर जाएगा।औवैसी ने कहा कि हम भी नहीं चाहते कि 2024 में मोदी देश के पीएम बनें, लेकिन नीतीश भी पीएम बनना चाहते हैं। लेकिन जब तक सीमांचल को हक नहीं मिलेगा तब तक उनकी हसरत पूरी नहीं होगी।

पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर निशाना साधकर ओवैसी ने कहा कि पीएम मोदी कहते हैं, कि उनका 56 इंच का सीना है, लेकिन चीन भारत के अंदर लगभग 200 किलोमीटर की जमीन पर कब्जा किए हुए है। चीन के नाम पर पीएम चुप हो जाते हैं। सीमांचल में घुसपैठियों की बात की जाती है। लेकिन यहां का हर नागरिक देश का नागरिक है। केंद्र बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम पर एनपीआर और एनआरसी लागू करना चाहती है।

ओवैसी ने चुनौती देकर कहा कि सीमांचल के हक की लड़ाई के लिए सड़क से सदन तक आंदोलन होगा। जरूरत पड़ी तब हाइवे जाम किया जाएगा। लेकिन सीमांचलवासियों का हक उन्हें दिला कर रहूंगा। अगर राज्य सरकार सीमांचल की इसी तरह उपेक्षा करती रही, तब गंभीर परिणाम भुगतना होगा। इस मौके पर एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष सह अमौर विधायक अख्तरुल ईमान, आदिल हसन, माजिद हुसैन, पूर्व मुखिया जफर असलम, असफाक आलम, अली हैदर,तनवीर आलम, वसी अतहर,एहरार आलम,सोएब आलम, नेहाल अख्तर, सहित पार्टी के कई लोग मौजूद रहे।

खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह की तलाश तेज, डीआईजी स्वपन शर्मा ने कहा-जल्द गिरफ्त में होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। फरार चल रहे खालिस्तान के समर्थक और वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह के चार सहयोगियों को असम ले जाया गया है। वहीं अमृतपाल सिंह को ढूंढने के लिए सर्च अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। अलगाववादी खालिस्तानी नेता अमृतपाल सिंह के साथियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। वहीं पुलिस को उसके साथियों के पास से गैरकानूनी तरीके से रखे गए कई हथियार बरामद हुए हैं।

स्थानीय पुलिस का कहना है कि आरोपी अमृतपाल सिंह भी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होगा। पुलिस उसे ढूंढने के लिए लगातार सर्च ऑपरेशन चलाए हुए है। इस मामले की जांच में जुटे एसएसपी सतिंदर सिंह ने राज्य की जनता से खास अपील की है। उन्होंने कहा कि जनता अफवाहों पर ध्यान ना दें, शांति व्यवस्था बनाए रखे और भ्रामक सूचनाओं पर विश्वास न करें। वही उन्होंने कहा कि पंजाब में स्थिति शांतिपूर्ण है। जानकारी के मुताबिक जिन भी लोगों को अब तक गिरफ्तार किया गया है उन सभी को कोर्ट मे पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी है। इसके बाद इन सभी से पूछताछ की जाएगी।

अवैध हथियार के मामले में दर्ज हुई एफआईआर

अमृतपाल सिंह को लेकर जारी सर्च ऑपरेशन के बीच में ही अवैध हथियार मामले में वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह और उनके सहयोगियों के खिलाफ एक नई प्राथमिकी दर्ज हुई है। मामले की जांच कर रहे जालंधर रेंज के डीआईजी स्वपन शर्मा ने बताया कि अमृतपाल सिंह को पकड़ने के निर्देश मिले थे। उसका पीछा करने के दौरान वो लिंक रोड पर आया। इस दौरान वो 5-6 मोटरसाइकिल सवारों से टकराया था। कई मोटरसाइकिल पुलिस के पीछे भी थी ताकि उसका पीछा ना किया जा सके।

उन्होंने कहा कि पुलिस ने दो कारें बरामद की है। इन कारों में से पुलिस को सात अवैध हथियार मिले है। इनमें से कुछ पाकिस्तान-आईएसआई लिंक थे। पुलिस ने अब तक 10 लोगों को और गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस जांच में जुटी है कि इन वाहनों को फंडिंग किस तरह से मिल रही थी। पुलिस को कार में से कुछ फोन भी मिले है।

पुलिस आयुक्त ने कही बड़ी बात

इस मामले पर जालंधर के पुलिस आयुक्त सीपी केएस चहल ने कहा कि अमृतपाल सिंह

जो की भागने में सफल रहा था वो जल्द ही पकड़ा जाएगा। पुलिस ने उसका 20-25 किलोमीटर तक पीछा किया था मगर वो भागने में सफल रहा। हमारी टीमें तलाशी कर रही हैं और उसे जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

इक्वाडोर और उत्तरी पेरू में आए भूकंप से 14 लोगों की मौत

क्विटो। इक्वाडोर और उत्तरी पेरू में आए शक्तिशाली भूकंप के कारण कम से कम 14 लोगों की मौत हुई हैं। भूकंप के कारण कई लोग मलबे में दब गए हैं, जिन्हें बचाने के लिए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया है। भूकंप की तीव्रता 6.8 मापी गई। भूकंप का केंद्र इक्वाडोर के दूसरे सबसे बड़े शहर गुआयाक्विल से लगभग 50 मील (80 किलोमीटर) दक्षिण में था। प्राधिकारियों ने बताया कि भूकंप के कारण पेरू में एक और इक्वाडोर में 13 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि 126 अन्य लोग घायल हुए हैं। इक्वाडोर के राष्ट्रपति गुलेरमो लासो ने कहा कि भूकंप के कारण लोगों में ''निश्चित ही दहशत फैल गई''। लासो कार्यालय ने बताया कि भूकंप के कारण जान गंवाने वाले लोगों में से 11 की तटीय राज्य एल ओरो में और दो की पर्वतीय राज्य अजुए में मौत हुई। पेरू में, इक्वाडोर के साथ लगती उसकी उत्तरी सीमा से मध्य प्रशांत तट तक भूकंप महसूस किया गया। पेरू के प्रधानमंत्री अल्बर्टो ओटारोला ने बताया कि इक्वाडोर की सीमा पर टुंबेस क्षेत्र में एक मकान के ढहने के कारण सिर में चोट लगने से चार वर्षीय एक बच्ची की मौत हो गई। भूकंप के कारण कई इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है।

पाकिस्तान : गाड़ी के बहने से एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बाढ़ में एक गाड़ी के बहने से गाड़ी में सवार एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसा प्रांत के आवारान जिले में तब हुआ जब चालक ने गाड़ी को पहाड़ी इलाके में पानी से भरी सड़क से निकालने की कोशिश की लेकिन चालक को कामयाबी नहीं मिली और गाड़ी गहरे खड्ड में बह गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में दो बुजुर्ग और छह बच्चे शामिल हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मृतकों में तीन नाबालिग लड़कियां और तीन लड़के भी हैं। दुर्घटना आवारान जिले के झाओ इलाके में हुई जहां शुक्रवार से ही भारी बारिश हो रही है।

बांग्लादेश में बस के खाई में गिरने से 17 लोगों की मौत, 30 अन्य घायल

ढाका। बांग्लादेश में रविवार को एक तेज रफ्तार बस के खाई में गिरने से कम से कम 17 लोगों की मौत हुई और 30 अन्य घायल हो गए। बांग्लादेश पुलिस ने बताया कि एमाद परिवहन द्वारा संचालित एवं ढाका जा रही बस सुबह करीब साढ़े सात बजे मदारीपुर में एक एक्सप्रेस-वे पर अनियंत्रित हो गई। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में मृतक संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कई घायलों की स्थिति गंभीर है। मदारीपुर के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि यह दुर्घटना लापरवाही से गाड़ी चलाने और बस में यांत्रिक खराबी के कारण हुई। वहीं, दमकल विभाग के उप सहायक निदेशक ने कहा, ऐसा माना जा रहा है कि तेज रफ्तार बस का पहिया फट गया और उसके चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया जिससे बस खाई में गिर गई। अग्निशमन सेवा अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर दमकल सेवा की तीन इकाइयां राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों और घायलों की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। वहीं, बताया जा रहा है कि बस में 43 से अधिक यात्री सवार थे।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मारियुपोल शहर की यात्रा की

कीव। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को यूक्रेन के बंदरगाह शहर मारियुपोल की यात्रा की। रूस की सरकारी समाचार एजेंसियों ने रविवार सुबह यह जानकारी दी। यह मारियुपोल की पुतिन की पहली यात्रा है, जिस पर मॉस्को ने सितंबर में गैरकानूनी तरीके से कब्जा कर लिया था। मारियुपोल दुनियाभर में अवज्ञा का एक प्रतीक बन गया था, जहां यूक्रेनी सेना के कई जवान करीब तीन महीने तक इस्पात के संयंत्र में डटे रहे थे, लेकिन आखिरकार मॉस्को ने इस पर कब्जा कर लिया था। शनिवार को पुतिन यूक्रेन से क्रीमिया कब्जाने की नौवीं वर्षगांठ के मौके पर काला सागर के प्रायद्वीप पर भी गए, जो मारियुपोल के नजदीक स्थित है।

मोंटीसेलो स्थित परमाणु ऊर्जा संयंत्र से रेडियोधर्मी पानी का रिसाव

वॉशिंगटन । अमेरिका के मध्य-पश्चिमी राज्य मिनेसोटा के मोंटीसेलो स्थित परमाणु ऊर्जा संयंत्र से लगभग 4 लाख गैलन (15 14,164 लीटर) रेडियोधर्मी पानी का रिसाव हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, मिनेसोटा प्रदूषण नियंत्रण एजेंसी (एमपीसीए) ने कहा कि राज्य एजेंसियां कंपनी के मोंटीसेलो परमाणु-उत्पादक संयंत्र में पाए गए ट्रिटियम से दूषित पानी को को साफ करने के लिए एक्ससेल एनर्जी के प्रयासों की निगरानी कर रही हैं। नियमित भूजल निगरानी के दौरान असामान्य परिणाम मिलने के बाद नवंबर 2022 के अंत में एक्ससेल एनर्जी ने मिनेसोटा ड्यूटी ऑफिसर और यूएस न्यूक्लियर रेगुलेटरी कमीशन को रिसाव की सूचना दी। रेडियोधर्मी पानी के रिसाव को सार्वजनिक करने में चार महीने की देरी ने सार्वजनिक सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। एमपीसीए ने बताया कि रिसाव को रोका गया है, और दूषित पानी मिसिसिपी नदी या पेयजल स्रोतों तक नहीं पहुंचा है। एक्ससेल एनर्जी ने कहा कि रिसाव मॉन्टिसेलो संयंत्र में दो इमारतों के बीच चल रहे पानी के पाइप से आया था और उस रोक दिया गया था। भूमि और रणनीतिक पहलों के लिए एमपीसीए के सहायक आयुक्त किर्क कौडेल्का ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि कम से कम या बिना किसी जोखिम के यह सफाई यथासंभव संपन्न हो। संयंत्र के आसपास के पेयजल के लिए अभी खतरे का कोई संकेत नहीं है। गौरतलब है कि ट्रिटियम हाइड्रोजन का एक रेडियोधर्मी रूप है, जो वायुमंडल में उत्पन्न होता है। यह परमाणु ऊर्जा संयंत्रों द्वारा बिजली के उत्पादन का उपोत्पाद है। इससे पहले थाईलैंड में एक खतरनाक रेडियोएक्टिव सामग्री वाले सिलेंडर के गुम हो जाने से अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए थे।

साहसिक कारनामा : बर्फ की तरह जमी झील में 170 फीट नीचे तक गया शख्स, गिनीज बुक में दर्ज कराया नाम

न्यूयॉर्क । दुनिया में साहसिक कारनामे करने वालों की कमी नहीं है। ऐसा ही एक कारनामा स्विटजरलैंड के गोताखोर ने कर दिखाया है। ठंड के मौसम में लोग पानी छूने से भी डरते हैं, लेकिन डेविड वेंकल न सिर्फ बर्फ की तरह जमी हुई झील में उतरे, बल्कि इतनी गहराई तक गए कि अगर आम आदमी को छोड़ दिया जाए तो लौटना मुश्किल होगा। इस उपलब्धि के साथ ही उन्होंने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम भी दर्ज करवा लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 40 वर्षीय डेविड वेंकल ने स्विटजरलैंड की लेक सिल्स में डुबकी लगाई। यह लेक बर्फ की तरह जमी हुई है। इसके बावजूद वेंकल ने उसमें ड्रिल किया और उसी छेद के जरिए पानी में उतर गए। खास बात वे बिना वेटसूट के उतरे और 170.9 मीटर नीचे तक गए और फिर उसी छेद से बाहर आ गए। अपनी उपलब्धि साबित करने के लिए वेंकल 170.9 फीट नीचे रखे स्टिकर को भी अपने साथ लेकर आए। यह जानकर हैरान होगी कि वेंकल ने एक ही सांस में यह डुबकी लगाई। 1 मिनट 54 सेकेंड के बाद जब वे बाहर निकले तो उनके मुंह से खून भी आने लगा। इसके बावजूद वह डिगे नहीं, खून थूका और शैम्पेन की बोतल खोल ली। वेंकल के प्रमोटर पावेल कलौस ने कहा कि उन्होंने इस सफर का खूब आनंद लिया। हालांकि, शुरू में वह थोड़ा अधिक घबराए हुए थे। उन्हें सांस लेने में समस्या आ रही थी। इसकी वजह से उन्हें तैरने में अधिक समय लगा। वेंकल ने नया रिकॉर्ड अपने नाम किया। वेंकल के लिए यह दूसरा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इससे पहले 2021 में उन्होंने बर्फीली चेक झील में 265 फीट तक पानी के अंदर रहने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था।

अमेरिकी अभिनेता लांस रेडिक का 60 साल की उम्र में निधन

न्यूयॉर्क । अमेरिकी अभिनेता लांस रेडिक, जो द वायर और जॉन विक सीरीज में अपने काम के लिए जाने जाते थे। लांस का 60 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। मौत का कारण फिलहाल साफ नहीं है, लेकिन सूत्रों का दावा है कि यह प्राकृतिक मौत थी। संगीतकार जॉन विक चैप्टर 4 के लिए एक प्रेस टूर पर थे। जॉन विक फ्रैंचाइजी की चौथी फिल्म 24 मार्च को रिलीज होनी थी, जिसमें उन्होंने कैरन का रोल प्ले किया था। रिपोर्टों के अनुसार, रेडिक को अगले सप्ताह केली क्लार्कसन के टॉक शो में गेस्ट बनाकर जाना था।

पेरिस में पेंशन सुधार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन के दौरान दंगा निरोधक पुलिस हालात पर नियंत्रण का प्रयास करती हुई।

उत्तर कोरिया ने फिर समुद्र में दागी एक संदिग्ध मिसाइल

सियोल। उत्तर कोरिया ने फिर समुद्र में एक संदिग्ध मिसाइल दागी है। जिसकी जानकारी दक्षिण कोरिया ने दी हैं। उ.कोरिया ने अमेरिका और द.कोरिया के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास के जवाब में अपनी परीक्षण गतिविधियों को तेज किया है। उत्तर कोरिया इन सैन्य अभ्यासों को उस पर हमले के अभ्यास के रूप में देखता है। जापान के रक्षा मंत्रालय और तट रक्षक बल ने बताया कि उत्तर कोरिया ने रविवार सुबह मिसाइल दागी। हालांकि, उसने प्रक्षेपण के संबंध में कोई और जानकारी नहीं दी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरियाई सेना ने बताया कि उत्तर कोरिया ने उसके पूर्वी जलक्षेत्र की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। फिलहाल यह अभी जांच का विषय है, अगर मिसाइल लांच की पुष्टि होती है, तब यह उ.कोरिया का अमेरिका और दक्षिण कोरियाई सेना द्वारा पिछले सप्ताह संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू करने के बाद से चौथा हथियार परीक्षण होगा। उत्तर कोरिया का मानना है कि यह संयुक्त सैन्य अभ्यास उस पर हमले की तैयारी करने के लिए है। बहरहाल, अमेरिका और दक्षिण कोरिया का कहना है कि उनका अभ्यास रक्षात्मक प्रकृति का है। यह अभ्यास गुरुवार तक जारी रहेगा। उत्तर कोरिया ने अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करते हुए हाल ही में एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) ह्वासोंग-17 का प्रक्षेपण किया था।

वैज्ञानिक अनुसंधान को रोकने पर चीनी अधिकारियों को डब्ल्यूएचओ ने लगाई फटकार

-डब्ल्यूएचओ ने चीन को लगाई फटकार, कहा- कोरोना वायरस से संबंधित डेटा जारी करने के बाद क्यों हटाया?

वाशिंगटन (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएच ने वैज्ञानिक अनुसंधान को रोकने के लिए चीनी अधिकारियों को फटकार लगाई है, जिससे कोरोना वायरस की उत्पत्ति का पता चल सकता था। डब्ल्यूएचओ ने शुक्रवार को चीनी अधिकारी से तीन साल पहले डेटा का खुलासा नहीं करने के कारणों के बारे में भी पूछा। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी आई। इंटरनेट स्पेस में डेटा गायब होने से पहले वायरस विशेषज्ञों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने इसे डाउनलोड किया और शोध का विश्लेषण करना शुरू किया। टीम ने खुलासा किया कि डेटा इस विचार का समर्थन करता है कि महामारी अवैध रूप से कारोबार करने वाले रैकून कुत्तों से शुरू हो सकती है, जो चीन के वुहान हुआनान सीफूड होलसेल मार्केट में मनुष्यों को संक्रमित करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जब विशेषज्ञों ने अपने चीनी समकक्षों के साथ विश्लेषण पर सहयोग करने की पेशकश की, तो टीम अंतिम परिणाम तक नहीं पहुंच सकी, क्योंकि वैज्ञानिक डेटाबेस से जीन अनुक्रम हटा दिए गए थे। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉक्टर टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने कहा कि ये डेटा तीन साल पहले साझा किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि लापता साक्ष्य को अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ तुरंत साझा करने की आवश्यकता है। डेटा की समीक्षा कर रही विशेषज्ञ टीम के अनुसार शोध इस बात का सबूत देता है कि रैकून कुत्ते, लोमड़ी जैसे जानवर से कोरोना वायरस फैल सकता है।

वहीं एक फ्रांसीसी जीवविज्ञानी ने पिछले हफ्ते डेटाबेस में अनुवांशिक अनुक्रमों की खोज की और उनकी टीम ने महामारी की उत्पत्ति के बारे में सुराग के लिए रिसर्च शुरू किया। उस टीम ने अभी तक निष्कर्षों को रेखांकित करने वाला एक पेपर जारी नहीं किया है, लेकिन शोधकर्ताओं ने इस सप्ताह एक बैठक में कोविड की उत्पत्ति का अध्ययन करने वाले डब्ल्यूएचओ सलाहकार समूह को सामग्री का विश्लेषण दिया, जिसमें उसी डेटा के बारे में चीनी शोधकर्ताओं द्वारा एक प्रस्तुति भी शामिल थी।

शिकागो विश्वविद्यालय में एक महामारीविद और विकासवादी जीवविज्ञानी सारा कोबे के अनुसार चीन ने जो प्रस्तुत किया है, उससे यह विश्लेषण अलग प्रतीत होता है। कोबे नए विश्लेषण में शामिल नहीं थे, उन्होंने कहा कि विश्लेषण चीनी वैज्ञानिकों द्वारा पहले के विवादों से टकराता हुआ प्रतीत होता है कि बाजार में लिए गए नमूने जो कोरोना वायरस के लिए सकारात्मक थे, अकेले बीमार लोगों द्वारा लाए गए थे। नमूने कैसे एकत्र किए गए थे, उनमें वास्तव में क्या था और सबूत क्यों गायब हो गए थे, इस बारे में प्रश्न बने हुए हैं। डॉ. कोबे उन 18 वैज्ञानिकों में से एक थे, जिन्होंने मई 2021 में जर्नल साइंस में एक प्रभावशाली पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें उस परिदृश्य पर गंभीरता से विचार करने का आग्रह किया गया था, जिसमें वायरस वुहान की एक प्रयोगशाला से बाहर फैल सकता था।

ट्रंप ने कहा ...मुझे गिरफ्तार किया जा सकता, सभी समर्थक प्रदर्शन करे

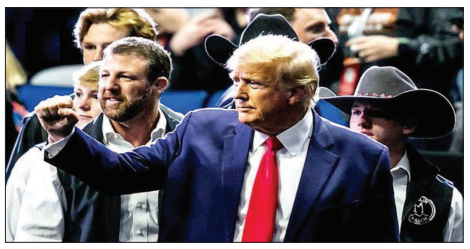

न्यूयॉर्क (एजेंसी) अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने महिलाओं को भुगतान करने से जुड़े मामले में दावा किया कि जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है, इसके साथ उन्होंने अपने समर्थकों से प्रदर्शन करने का आह्वान किया। आरोप है कि पूर्व राष्ट्रपति के इन महिलाओं से यौन संबंध थे और उन्होंने उन्हें धन देकर मामले को सार्वजनिक नहीं करने को कहा था। बहरहाल, ट्रंप की वकील और प्रवक्ता ने कहा कि अभियोजकों की ओर से कोई संदेश नहीं मिला है लेकिन ट्रंप ने एक पोस्ट में कहा कि उन्हें मंगलवार को गिरफ्तार किया जा सकता है। ट्रंप ने बाद में एक पोस्ट में अपने समर्थकों से प्रदर्शन करने का आह्वान कर राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, हम अब इस और नहीं होने दे सकते। वे हमारे देश की हत्या कर रहे हैं और हम बैठकर बस देख रहे हैं। हमें अमेरिका को बचाना होगा। प्रदर्शन, प्रदर्शन, प्रदर्शन करिए। ट्रंप ने इसी तरह की अपील पिछले राष्ट्रपति चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद भी की थी जिससे छह जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन परिसर में हिंसा हुई थी। ट्रंप की वकील सुजैन नेचेल्स ने कहा कि ट्रंप की पोस्ट ''मीडिया में आई खबरों पर आधारित'' है और एक प्रवक्ता ने कहा कि अभी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी आल्विन ब्रैग के कार्यालय से कोई ''अधिसूचना नहीं मिली है।'' डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के कार्यालय ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। ट्रंप के इस पोस्ट के बाद 2024 के राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल उनके संभावित प्रतिद्वंद्वियों सहित शीर्ष रिपब्लिकन नेता उनके समर्थन में आए।

ट्रंप के संभावित प्रतिद्वंद्वी एवं पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने कहा, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति पर अभियोग चलाने का विचार लाखों अमेरिकियों के साथ ही मेरे लिए भी बहुत परेशान करने वाला है। उनके समर्थन में आने वाले नेताओं में सदन के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी भी शामिल हैं। प्रौद्योगिकी निवेशक विवेक रामास्वामी ने कहा कि वह इसतरह के देश में रहना नहीं चाहते जहां ''सत्ता में बैठी पार्टी अपने राजनीतिक विरोधियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल कर सके।

डोनाल्ड ट्रंप हुए गिरफ्तार तो 2024 में उनकी होगी बंपर जीत : एलन मस्क

वाशिंगटन । टेस्ला और ट्विटर के सीईओ अरबपति एलन मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर बड़ा दावा किया है। ट्विटर के नए बॉस ने कहा है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप की गिरफ्तारी हो जाती है तो वह भारी जीत के साथ राष्ट्रपति पद के लिए फिर से चुने जा सकते हैं। उनका यह बयान ट्रंप के उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जा सकता है बयान के बाद आया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शनिवार को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर दावा किया है कि उन्हें मंगलवार को गिरफ्तार किया जाएगा। ट्रंप ने अपने सोशल नेटवर्क पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जा सकता है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें मैनहट्टन जिला अटॉर्नी के कार्यालय द्वारा लाए गए एक मामले में मंगलवार को गिरफ्तार किए जाने की आशंका है। इसके बाद इस खबर पर मस्क ने अपनी प्रतिक्रिया दी। मस्क ने ट्वीट करते हुए लिखा कि अगर ऐसा होता है, तो ट्रंप भारी जीत के साथ फिर से चुने जाएंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले ट्रंप ने गिरफ्तारी के डर से अपने समर्थकों से विरोध करने को कहा। हालांकि, ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इस बारे में कोई विवरण साझा नहीं किया कि उन्हें संभावित गिरफ्तारी के बारे में पता कैसे चला। अपने पोस्ट में उन्होंने साल 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडेन से मिली हार को 'जनादेश की चोरी' बताया और अपने समर्थकों से विरोध प्रदर्शन करने को कहा।

बुरे वक्त में अच्छे दोस्त सऊदी अरब ने पाकिस्तान से कहा- नहीं मिलेगा उधार!

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जब-जब पाकिस्तान को कर्ज की जरूरत पड़ी या कोई संकट आया, सऊदी अरब ने सबसे पहले उसकी मदद की, लेकिन इस बार ऐसा होता नहीं दिख रहा है। सऊदी अरब ने पाकिस्तान को किसी तरह का बेलआउट या बिना ब्याज का कर्ज देने से इनकार कर दिया है। अपने मुस्लिम दोस्त के इस फैसले से इस्लामाबाद सरकार हैरत में है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार शिकायत कर रहे हैं कि मित्र देश भी पाकिस्तान को आर्थिक संकट से बाहर लाने के लिए मदद करने के इच्छुक नहीं हैं। डिफॉल्ट होने से बचने के लिए पाकिस्तान को तत्काल बड़े कर्ज की जरूरत है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार वर्तमान में सिर्फ 3 बिलियन डॉलर ही बचा है। पाकिस्तान 1980 के दशक से अपने 13वें बेलआउट पैकेज को लेकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ कठिन बातचीत में फंसा हुआ है। अगर जल्द ही कोई समझौता नहीं किया गया तो पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय कर्ज हासिल करना मुश्किल हो जाएगा क्योंकि उसकी क्रेडिट रेटिंग खराब हो जाएगी। हाल के घटनाक्रमों की जानकारी रखने वाले विश्लेषकों ने मिडिल ईस्ट आई को बताया कि सऊदी अरब ने चालू खाता घाटे में भारी कमी के साथ सख्त मौद्रिक और राजकोषीय सुधारों को लागू करते हुए पाकिस्तान के सामने नए ब्याज वाले ऋण और निवेश की शर्तें रखी हैं। ये आईएमएफ की शर्तों के समान हैं।किंग फैसल सेंटर फॉर रिसर्च एंड इस्लामिक स्टडीज के एसोसिएट फेलो उमर करीम ने कहा कि पाकिस्तानी अधिकारी सदमे की स्थिति में हैं। करीम ने एमईई को बताया कि अब तक सऊदी अरब और दूसरे खाड़ी देश प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री की एक फोन कॉल पर पाकिस्तान की मदद के लिए आगे आ जाते थे लेकिन इस बार ऐसा होता नहीं दिख रहा है।

पाकिस्तान : इमरान खान के खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के करीब एक दर्जन नेताओं पर तोड़फोड़, सुरक्षाकर्मियों पर हमला, पदच्युत प्रधानमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में सुनवाई के दौरान अदालत परिसर के बाहर हंगामा करने में शामिल होने के आरोप में आतंकवाद निरोधक कानून की विभिन्न धाराओं के तहत रविवार को प्राथमिकी दर्ज की। खान तोशाखाना मामले की बहुप्रतिक्षित सुनवाई में पेश होने के लिए लाहौर से इस्लामाबाद आए थे और उस दौरान इस्लामाबाद न्यायिक परिसर के बाहर उनके समर्थकों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हुई थी।

पीटीआई कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच शनिवार को हुई झड़प के दौरान 25 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे जिसके बाद अवर जिला व सत्र न्यायाधीश जफर इकबाल ने सुनवाई 30 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। जियो न्यूज ने खबर दी कि पीटीआई कार्यकर्ताओं और वांछित नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। समाचार चैनल ने बताया कि इस्लामाबाद पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी में 17 पीटीआई नेताओं को नामजद किया गया है। प्राथमिकी में कहा गया है कि कार्यकर्ताओं ने पुलिस जांच चौकी और न्यायिक परिसर के मुख्य गेट को ध्वस्त कर दिया। पुलिस के मुताबिक आगजनी, पत्थरबाजी और न्यायिक परिसर की इमारत को नुकसान पहुंचाने के आरोप में 18 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

प्राथमिकी के मुताबिक, ''झड़प के दौरान पुलिस के दो वाहन और सात मोटरसाइकिल को जला दिया गया और पुलिस थाना प्रभारी के आधिकारिक वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया गया।'' खान (70) अदालत में पेश होने के लिए लाहौर से इस्लामाबाद आए थे। उनके साथ काफिले में उनके समर्थक भी थे। पीटीआई नेता फवाद चौधरी ने रविवार को कहा कि पार्टी उन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएगी जो खान के आवास में 'अवैध कार्रवाई' और हिंसा में संलिप्त थे। उन्होंने ट्वीट किया, ''आज, पार्टी की विधि टीम की बैठक बुलाई गई है।

पुलिस ने जिस तरह से लाहौर उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना की और इमरान खान के आवास में दाखिल हुई, उसने मकान की सुचिता को बनाए रखने के सभी नियमों को तोड़ दिया। आवास से सामान की चोरी की गई और वे जूस के डिब्बे तक ले गए। निर्दोष लोगों को यातना दी गई।'' पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के 70-वर्षीय प्रमुख इमरान खान को कथित रूप से अपनी संपत्ति से जुड़ी घोषणाओं में उपहारों का विवरण छिपाने को लेकर पाकिस्तान चुनाव आयोग की ओर से दायर शिकायत पर कार्यवाही में भाग लेने के लिए अवर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीएसजे) जफर इकबाल की अदालत में पेश होना था।

वर्ष 1974 में स्थापित तोशाखाना कैबिनेट डिवीजन के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक विभाग है। तोशाखाना में पाकिस्तानी शासकों, सांसदों, नौकरशाहों और अधिकारियों को अन्य देशों की सरकारों, राज्यों के प्रमुखों और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से मिले कीमती उपहारों को संग्रहीत किया जाता है। बिक्री का विवरण साझा नहीं करने के कारण पिछले साल अक्टूबर में पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने इमरान खान को अयोग्य घोषित कर दिया था।

इजराइल में मिले कोरोना के नए वैरिएंट ने दोबारा बढ़ाई चिंता

-नया वायरस है ओमिक्रॉन बीए.1 व ओमिक्रॉन बीए.2 का कॉम्बिनेशन

लंदन (एजेंसी)। अभी कोविड का खतरा टला ही नहीं था कि अब नए वैरिएंट ने दोबारा से चिंता बढ़ा दी है। इजराइल में कोरोना जैसी खतरनाक महामारी का एक नया वैरिएंट पाया गया है। कोरोना का यह नया वैरिएंट इजराइल में करीबन दो लोगों में पाया गया है। इस नए वैरिएंट के बारे में खुद इजरायल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है। उनके अनुसार यह नया वायरस ओमिक्रॉन बीए.1 और ओमिक्रॉन बीए.2 दोनों का कॉम्बिनेशन है। मीडिया रिपोर्ट्स अनुसार इजराइल में विदेश से आए दो लोगों में कोरोना का नया वैरिएंट पाया गया है। यह दोनों यात्री बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आए थे, जब दोनों का पीसीआर टेस्ट किया गया तो वह कोविड पॉजिटिव पाए गए। पॉजिटिव पाए जाने के बाद जब जांच की गई तो यह पता चला कि यह कोविड का कोई नया वैरिएंट है। पॉजिटिव आए दोनों मरीजों को नमूने टेस्ट के लिए भी भेज दिए गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पॉजिटिव पाए गए दोनों मरीजों में सिरदर्द, बुखार, मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण नजर आए थे। वहीं एक्सपर्ट्स की मानें तो जब दोनों वैरिएंट एक साथ पाए जाते हैं तो उनका इस तरह से एक जैसा पाया जाने कोई असामान्य बात नहीं है। यह घटना उस समय होती है जब दो वायरस एक ही कोशिका में मौजूद होते हैं। जब दो वैरिएंट का आपस में जेनेटिक मटेरियल ट्रांसफर होता है तो एक नया वायरस सामने आता है। पॉजिटिव पाए गए दोनों ही कपल हैं। दोनों की उम्र करीबन 30 वर्ष की है और यह इंफेक्शन उनके नवजात बच्चे के जरिए हुआ है।

भारत के छ राज्य कोविड से ज्यादा प्रभावित

कोरोना का नया वैरिएंट तब मिला है, जब भारत में भी कोविड के मामले बढ़ते जा रहे हैं। भारत के छ राज्य कोविड से ज्यादा प्रभावित हैं, जैसे महाराष्ट्र, तेलंगाना, गुजरात, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु। राज्यों में बढ़ते मामले देखकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने टेस्ट, उपचार, टीकाकरण, ट्रैकिंग पर ध्यान बढ़ाने के लिए भी कहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार करीबन चार महीने के बाद भारत में एक दिन में 700 से भी ज्यादा कोविड के मामले पाए गए हैं। वहीं पॉजिटिव मामलों की संख्या बढ़कर करीबन 4 हजार 623 हो गई है। इन मामलों को देखते हुए यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में कोविड के मामले बढ़ रहे हैं।

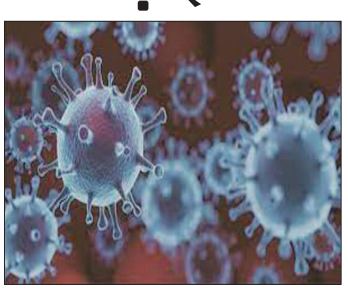

संपादकीय

आजकल की विक्रय विधि

आजकल के जमाने में विक्रय विधि का एक तरीका हो गया है की किसी चीज की बिक्री बढ़ानी हो तो लालच दे दे । जिससे चीज की बिक्री हो जायेगी । ठीक इसी तरह राग - द्वेष आदि को हम बढ़ायेंगे तो उसके साथ हमारे कर्मों का बन्धन तैयार हैं । अपरिग्रह रहित होंगे व जीवन जीयेंगे तो आगे के लिये मोक्ष की सीढ़ी तैयार हैं । बचपन क्या छूटा कि मन की पवित्रता और निश्चलता भी छूट गयी।कारण कंधे पर जिम्मेवारी और आर्थिक जगत की अंधी दौड़। वर्तमान युग हो गया भौतिकतावाद और टेक्नॉलजी का।एक इंसान की क़ार्य क्षमता हो गयी दस आदमी जितनी।एक समय था कि प्राय: हर व्यक्ति सादा जीवन उच्च विचार की धारा में चलते थे।भरा-पूरा परिवार एक साथ आँगन में बैठ कर एक ही थाली में खाते थे।ना ज्यादा ख्वाहिशें थी और ना ही मन में किसी तरह की बेईमानी।घर के मेन गेट पर ना ताले होते थे और ना ही गहने रखने के लिये बैंक लॉकर। समय बदला, इंसान के सोच का तरीक़ा भी बदल गया।हर इंसान पैसों के पीछे दीवाना हो गया।किसी का ध्येय अति मेहनत और लगन से ज्यादा धन कामना तो किसी का लक्ष्य चोरी-बेईमानी से धन प्राप्त करने की लालसा बढ़ गयी। जब एक स्टेज ऐसा आता है कि अकूट संपती तो इकट्ठी कर ली तो अब अपने स्टेट्स को बरकरार रखने के लिये संतोष भी नहीं कर सकता।और अधिक धन प्राप्ति के लिये तरह-तरह के दांव पेच भी अपनाने लगा।अपने गुँथे जाल में खुद ही उलझ गया। आज का इंसान धन तो खूब कमा रहा है पर बदले में खो रहा है पारिवारिक प्रेम और मन की शांति।एक ही परिवार में चार सदस्यों को आपस में एक साथ बैठ कर कुछ पल बिताने का समय नहीं।इंसान अपनी लाइफ़ को भी एक मशीन की तरह बना लेता है।जो चौबीस घंटे या तो कुछ कार्य करता है या सोते समय भी व्यापार की ही सोचता है। जब फ़ुर्सत में कभी सोचता है कि मैंने धन तो बहुत कमाया पर अपने जीवन की सुख-शांति खो दी। तब इंसान को अपना बचपन याद आता है कि वो भी क्या दिन थे।पूरा बचपन हीकेवल सुख-शांति, मौज-मस्ती और निश्चल जीवन की ज़िंदगी थी।पर अब वो बचपन वापिस लौट कर कभी नहीं आता। केवल साधु -संतों का ही जीवन कुछ हद तक बचपन वाला होता है क्योंकि ना उन्हें कमाने की चिंता और ना संग्रह करने की फ़िक्र।वो अपनी फ़क़ीरी में ही मस्ती का जीवन जीते हैं और अपने जीवन का कल्याण करते हैं। इस तरह हम जैसा बीज बोयेंगे फल भी वैसा ही पायेंगे । इसलिये कहते है की यह मानव के ऊपर निर्भर करता है की वह अपने जीवन यापन में कैसी विधि अपनाता हैं ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

गौरैया को बनाएं घर-आंगन की दोस्त

(लेखक-प्रभुनाथ शुक्ल/ विश्व गौरैया दिवस 20 मार्च पर विशेष)

हमारी सोच अब आहिस्ता-आहिस्ता बदलने लगी है। हम हम प्रकृति और जीव जंतुओं के प्रति थोड़ा मित्रवत भाव रखने लगे हैं। घर की टैरिश पर पक्षियों के लिए दाना-पानी डालने लगे हैं। गौरैया से हम फ्रेंडली हो चले हैं। किचन गार्डन और घर की बालकनी में कृतिम घोंसला लगाने लगे। गौरैया धीरे हमारे आसपास आने लगी है। उसकी चीं-चीं की आवाज हमारे घर आंगन में सुनाई पड़ने लगी है। गौरैया संरक्षण को लेकर ग्लोबल स्तर पर बदलाव आया है यह सुखद है। फिर भी अभी यह नाकाफी है। हमें प्रकृति से संतुलन बनाना चाहिए। हम प्रकृति और पशु -पक्षियों के साथ मिलकर एक सुंदर प्राकृतिक वातावरण तैयार कर सकते हैं। जिन पशु पक्षियों को हम अनुपयोगी समझते हैं वह हमारे लिए प्राकृतिक पर्यावरण को संरक्षित करने में अच्छी खासी भूमिका निभाते हैं, लेकिन हमें इसका ज्ञान नहीं होता। गौरैया हमारी प्राकृतिक मित्र है और पर्यावरण में सहायक है। गौरैया प्राकृतिक सहचरी है। कभी वह नीम के पेड़ के नीचे फुदकती और चावल या अनाज के दाने को चुगती है। कभी घर की दीवार पर लगे आईने पर अपनी हमशक्ल पर चोंच मारती दिख जाती। एक वक्त था जब बबूल के पेड़ पर सैकड़ों की संख्या में घोंसले लटके होते थे,लेकिन वक्त के साथ गौरैया एक कहानी बन गई। हालांकि पर्यावरण के प्रति जागरूकता के चलते हाल के सालों में यह दिखाई देने लगी है। गौरैया इंसान की सच्ची दोस्त भी है और पर्यावरण संरक्षण में उसकी खासी भूमिका भी है। दुनिया भर में 20 मार्च गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गौरैया संरक्षण के प्रयास को लेकर अच्छी पहल की है। उन्होंने राज्यसभा सदस्य बृजलाल के प्रयासों को ट्वीटर पर खूब सराहा। उन्होंने कहा कि गौरैया संरक्षण को लेकर आपका प्रयास बेहतरीन और काबिले तारीफ है। राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने अपने घर में गौरैया संरक्षण को लेकर काफी अच्छे उपाय किए हैं। उन्होंने गौरैया के लिए दाना पानी और घोंसले की व्यवस्था की है।जंगल में आजकल पंच सितारा संस्कृति विस्तार ले रही है। प्रकृति के सुंदर स्थान को भी इंसान कमाने का जरिया बना लिया है। जिसकी वजह पशु- पक्षियों के लिए खतरा बन गया है। इंसानों के अधिक दखल से जंगल का पर्यावरण मस्त हो रहा है और पशु पक्षियों के लिए प्रकृति के अनुकूल वातावरण नहीं मिल पा रहा है। जंगल में बढ़ती ऐसी संस्कृत के खिलाफ विराम लगाने की आवश्यकता है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर के प्रयासों से 20 मार्च को चुलबुली गौरैया के लिए रखा गया। 2010 में पहली बार यह दुनिया में मनाया गया। गौरैया का संरक्षण हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इनसान की भोगवादी संस्कृति ने हमें प्रकृति और उसके साहचर्य से दूर कर दिया है। गौरैया एक घरेलू और पालतू पक्षी है। यह इंसान और उसकी बस्ती के पास अधिक रहना पसंद करती है। पूर्वी एशिया में यह बहुतायत पायी जाती है। यह अधिक वजनी नहीं होती। इसका जीवनकाल दो साल का होता है। यह पांच से छह अंडे देती है। भारत की आंध्र यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में गौरैया की आबादी में 60 फीसदी से अधिक की कमी बताई गई है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी आफ प्रोटेक्शन आफ बड्र्स ने इस चुलबुले और चंचल पक्षी को रेड लिस्ट में डाल दिया है। दुनिया भर में ग्रामीण और शहरी इलाकों में गौरैया की आबादी घटी है। गौरैया की घटती आबादी के पीछे मानव विकास सबसे अधिक जिम्मेदार है। गौरैया पासेराडेई परिवार की सदस्य है लेकिन इसे वीवरपिंच परिवार का भी सदस्य माना जाता है। इसकी लंबाई 14 से 16 सेंटीमीटर होती है। इसका वजन 25 से 35 ग्राम तक होता है। यह अधिकांश झुंड में रहती है। यह अधिक दो मील की दूरी तय करती है। गौरैया को अंग्रेजी में पासर डोमेस्टिक्स के नाम से बुलाते हैं। मानव जहां-जहां गया, गौरैया उसका हमसफर बनकर उसके साथ गयी। दुनिया के शहरी हिस्सों में इसकी छह प्रजातियां पायी जाती हैं, जिसमें हाउस स्पैरो, स्पेनिश, सिंउ स्पैरो, रसेट, डेड और टी स्पैरो शामिल हैं। यह यूरोप, एशिया के साथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के अधिकतर हिस्सों में मिलती है। गौरैया घास के बीजों को अपने भोजन के रूप में अधिक पसंद करती है। इस पक्षी को बचाने के लिए वन और पर्यावरण मंत्रालय की ओर से कोई खास पहल नहीं दिखती। दुनिया भर के पर्यावरणविद् इसकी घटती आबादी पर चिंता जाहिर कर चुके हैं। बढ़ती आबादी के कारण जंगलों का सफाया हो रहा है। ग्रामीण इलाकों में पेड़ काटे जा रहे हैं। ग्रामीण और शहरी इलाकों में बाग-बगीचे खत्म हो रहे हैं। इसका सीधा असर इन पर दिख रहा है। गांवों में अब पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। जिसका कारण है कि मकानों में गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है। पहले गांवों में कच्चे मकान बनाए जाते थे। उसमें लकड़ी और दूसरी वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता था। कच्चे मकान गौरैया के लिए प्राकृतिक वातावरण और तापमान के लिहाज से अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराते थे,लेकिन आधुनिक मकानों में यह सुविधा अब उपलब्ध नहीं होती। यह पक्षी अधिक तापमान में नहीं रह सकता। गगनचुम्बी इमारतें और संचार क्रांति इनके लिए अभिशाप बन गयी। शहर से लेकर गांवों तक मोबाइल टावर एवं उससे निकलते रेडिएशन से इनकी जिंदगी संकट में है। देश की खेती-किसानी में रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग बेजुबान पक्षियों और गौरैया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। केमिकल युक्त रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से कीड़े-मकोड़े भी विलुप्त हो चले हैं। जिनमें गिद्ध, कौवा, महोख, कठफोड़वा, कौवा और गौरैया शामिल हैं।इनके भोजन का भी संकट खड़ा हो गया है। दूसरा बड़ा कारण मकर संक्रांति पर पतंग उत्सवों के दौरान काफी संख्या में हमारे पक्षियों की मौत हो जाती है। हवाई मार्गों की जद में आने से भी इनकी मौत हो जाती है। हिंसक पक्षी जैसे बाज़ इत्यादि हमला कर उन्हें मौत की नींद सुला देते हैं। गौरैया, गिद्ध के बाद सबसे संकटग्रस्त पक्षी है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर नासिक से हैं और वह बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी से जुड़े रहे हैं। उन्होंने यह मुहिम 2008 से शुरू की थी। आज यह दुनिया के 50 से अधिक मुल्कों तक पहुंच गयी है। दिलावर के विचार में गौरैया संरक्षण के लिए लकड़ी के बुरादे से छोटे-छोटे घर बनाए जाएं और उसमें खाने की भी सुविधा भी उपलब्ध हो। घोंसले सुरक्षित स्थान पर हों, जिससे गौरैयों के अंडों और चूजों को हिंसक पक्षी और जानवर शिकार न बना सकें। सिर्फ सरकार के भरोसे हम गौरैया को नहीं बचा सकते। स्कूली पाठ्यक्रमों में हमें गौरैया और दूसरे पक्षियों को शामिल करना होगा। हमें प्रकृति और जीव-जंतुओं के सरोकार से लोगों को परिचित कराना होगा। आने वाली पीढ़ी तकनीकी ज्ञान अधिक हासिल करना चाहती है, लेकिन पशु-पक्षियों से वह जुड़ना नहीं चाहती है। इसलिए हमें पक्षियों के बारे में जानकारी दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

मौसमी बदलाव से मुकाबले में उपयोगी फसल विविधता

पंकज चतुर्वेदी

फरवरी-2023 का दूसरा हफ्ता समूचे हिमाचल प्रदेश के लिए तपती गर्मी ले आया। भले ही पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोग इसे घाटे का मौसम कह रहे हैं लेकिन असली खतरा तो खेती पर मंडरा रहा है। हिमाचल की अर्थव्यवस्था का आधार फल व सब्जियों की खेती है और अचानक गर्मी से फसल बहुत हद तक खराब हो रही है। सबसे अधिक असर तो गेहूं पर पड़ रहा है जो इस समय पकने को तैयार है। अचानक इतनी गर्मी होने से दाने का सिकुड़ना तय है जिससे वजन और पौष्टिकता कम होगी। अब बहुत देर नहीं है जब बदलते मौसम के कुप्रभाव खेती पर दिखेंगे। वहीं भारतीय गेहूं और जौ अनुसंधान कें द्र (आईसीएआर) ने चेतावनी दी है कि मार्च के तीसरे हफ्ते के बाद बरसात होने की संभावना है और यह तैयार फसल के लिए घातक होगी। बीते कुछ सालों में मौसम का चरम होना-खासकर अचानक भारी बरसात हो जाने से खड़ी फसल की बर्बादी किसान को कमजोर करती रही है। धरती के तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी और उसके उपजे जलवायु परिवर्तन का भीषण खतरा अब दुनिया के साथ-साथ भारत पर मंडरा रहा है। यह केवल असामयिक मौसम बदलाव या प्राकृतिक आपदाओं तक सीमित नहीं रहने वाला है। यह भोजन, जलाशयों में पानी की शुद्धता, खाद्य पदार्थों की पौष्टिकता, प्रजनन क्षमता से लेकर जीवन के सभी पहलुओं पर विषम प्रभाव डालने लगा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का एक शोध बताता है कि 2030 तक धरती के तापमान में 0.5 से 1.2 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि अवश्यंभावी है। साल-दर-साल बढ़ते तापमान का प्रभाव साल 2050 में 0.80 से 3.16 डिग्री हो सकता है। तापमान में एक डिग्री बढ़ोतरी का अर्थ है कि प्रति हेक्टेयर 360 किलो फसल की कमी आ जाना। जलवायु परिवर्तन के चलते खेती के लिहाज से 310 जिलों को संवेदनशील माना गया है। इनमें से 109 जिले बेहद संवेदनशील हैं जहां अगले एक दशक में ही कृषि उपज , पशु धन ,मुर्गी पालन व मछली उत्पादन तक में कमी आने की संभावना है। तापमान बढ़ने से बरसात के चक्र में बदलाव, बेमौसम व असामान्य बारिश, तीखी गर्मी, बाढ़ व सुखाड़ की सीधी मार किसान पर पड़नी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भी जीविका के लिए खेती पर निर्भर लोगों की संख्या भले ही घटे, लेकिन उनकी आय का दायरा सिमटता जा रहा है। दरअसल, सूखे-बरसात की भरमार से किसान उधार में दबा रहता है तभी वह खेती छोड़ने को मजबूर है। भारत मौसम, भूमि-उपयोग, वनस्पति, जीवों के मामले में व्यापक विविधता वाला देश है और यहां जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भी कुछ सौ किलोमीटर की दूरी पर अलग किस्म से हो रहा है। लेकिन पानी बचाने, कुपोषण व भूख से निबटने की चिंता पूरे देश में एक समान है। देश में उपलब्ध ताजे पानी का 75 फीसदी अभी भी खेती में खर्च हो रहा है। तापमान बढ़ने से जल-निधियों पर असर दो दशक से जारी है। प्रोसिडिंग्स ऑफ नेशनल अकादमी ऑफ साइंस नामक जर्नल में प्रकाशित एक शोध पत्र के अनुसार, भारत को जलवायु परिवर्तन के कृषि पर प्रभावों को कम करते हुए यदि पोषण के स्तर को कायम रखना है तब रागी, बाजरा और जई जैसे फसलों का उत्पादन बढ़ाना होगा। इस अध्ययन को कोलंबिया यूनिवर्सिटी के डाटा साइंस इंस्टीट्यूट ने किया है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के डाटा साइंस इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक डॉ कैले डेविस ने भारत में जलवायु परिवर्तन के कृषि पर प्रभावों, पोषण स्तर, पानी की कमी और कृषि के लिए भूमि के अभाव पर अध्ययन किया है। उनके अनुसार भारत में तापमान वृद्धि के कारण कृषि उत्पादकता घट रही है और पोषक तत्व कम हो रहे हैं। यहां भविष्य के लिए पानी बचाना है और पोषण स्तर भी बढ़ाना है तो गेहूं-चावल पर निर्भरता कम करनी होगी। अमेरिका के आरेजोन राज्य की सालाना जलवायु परिवर्तन रिपोर्ट -2017 में चेता दिया गया था कि मौसम में बदलाव के कारण पानी को सुरक्षित रखने वाले जलाशयों में ऐसे शैवाल विकसित हो रहे हैं जो पानी की गुणवत्ता प्रभावित कर रहे हैं। पिछले दिनों अमेरिका के करीब 60 हजार जलाशयों के जल का परीक्षण वहां के नेशनल लेक असेसमेंट विभाग ने किया और पाया कि जलाशयों में कम पानी होता है तो तापमान और अम्लीयता बढ़ जाती है। जलाशय सूखते हैं तो तलहटी में कई किस्म के खनिज और अवांछित रसायन एकत्र हो जाते हैं और जैसे ही उसमें पानी आता है तो वे उसकी गुणवत्ता पर विपरीत असर डालते हैं। ये दोनों ही हालात जल में पैदा होने वाली मछली, वनस्पति आदि के लिए घातक हैं। भारत में तो यह हालात हर साल उभर रहे हैं । जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण वातावरण में बढ़ रही कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा है। हार्वर्ड टी.एच. चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की ताजा रिपोर्ट बताती है कि इससे हमारे भोजन में पोषक तत्वों की भी कमी हो रही है। यह भी कि धरती के तापमान में बढ़ोतरी खाद्य सुरक्षा के लिए दोहरा खतरा है। आईपीसीसी समेत कई अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों में इससे कृषि उत्पादन घटने की आशंका जाहिर की गई । इससे खाद्य संकट पैदा हो सकता है। नयी रिपोर्ट एक और बड़े खतरे की ओर आगाह कर रही है कि कार्बन उत्सर्जन से भोजन में पोषक तत्वों की कमी हो रही है। चावल समेत तमाम फसलों में पोषक तत्व घट रहे हैं। इससे 2050 तक दुनिया में 17.5 करोड़ लोगों में जिंक की कमी होगी, 12.2 करोड़ लोग प्रोटीन की कमी से ग्रस्त होंगे। दरअसल, 63 फीसदी प्रोटीन, 81 फीसदी आयरन तथा 68 फीसदी जिंक की आपूर्ति पेड़-पौधों से होती है। रिपोर्ट भारत जैसे देशों के लिए चेतावनी है क्योंकि हमारे यहां पहले से कुपोषण एक बड़ी समस्या है।

विचार मंथन

रिटायर्ड जज भी अब भारत विरोधी गैंग का हिस्सा

(लेखक- सनत जैन)

केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू ने शनिवार को कहा है, कि कुछ रिटायर्ड जज और कार्यकर्ता भारत विरोधी गैंग का हिस्सा हो गए हैं। कानून मंत्री ने यह भी कहा कि न्यायपालिका को विपक्षी दल की भूमिका निभाने के लिए मजबूर करते नजर आ रहे हैं। एक बार फिर कानून मंत्री रिजीजू ने कॉलेजियम सिस्टम की आलोचना करते हुए कहा, इसे बदलने की जरूरत है। कानून मंत्री दिल्ली के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा। इसी कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ भी शामिल हुए। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अपनी बात रखते हुए कहा, कि न्यायपालिका पर कोई दबाव नहीं होता है। उन्होंने कहा, मुझे आज तक किसी ने नहीं कहा कि केस में फैसला कैसे किया जाए। उन्होंने अपने उद्बोधन में चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर लिया फैसला, इसका एक सबूत बताया। उन्होंने भारतीय न्यायपालिका को आधुनिक बनाने की जरूरत बताते हुए कहा कि हमारा न्यायिक मॉडल अंग्रेजों के विरासत में मिले औपनिवेशिक मॉडल पर आधारित है। इसमें बड़े सुधार की जरूरत है। कानून मंत्री जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तथा कॉलेजियम सिस्टम को लेकर सार्वजनिक बयान दे रहे है। सरकार से जुड़ा हुआ राजनीतिक दल के ट्रोलर जिस तरह से न्यायपालिका के खिलाफ एक अभियान चला रहे है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की व्यक्तिगत छवि और उनके न्यायिक फैसलों को जिस तरीके से ट्रोल किया जा रहा है। न्यायपालिका के साथ सरकार सीधे-सीधे टकराव की मुद्रा में समय-समय पर देखने में आ रही है। यहां तक तो ठीक था लेकिन अब रिटायर्ड जजों को भी कानून मंत्री ने निशाने पर लेकर, उन्हें भारत विरोधी गैंग का हिस्सा बता दिया है। कानून मंत्री के इस बयान की आम जनता के बीच में भी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। सरकार कॉलेजियम व्यवस्था के स्थान पर हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट के जजों की नियुक्ति पर सरकार का सीधा अधिकार या हस्तक्षेप चाहती है। यदि ऐसा हुआ, तो भारत की न्याय व्यवस्था को लेकर आम आदमी के मन में जो विश्वास बचा हुआ है। वह भी खत्म हो जाएगा। जिस तरह से न्यायिक अधिकार, राज्य सरकारों विभिन्न आयोग, कलेक्टर, कमिश्नर, तहसीलदार एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को दिए जाते हैं। उनके काम करने के तौर-तरीके और निर्णय पर आम जनता को कोई भरोसा नहीं होता है। क्योंकि उसमें सरकार का हस्तक्षेप अपरोक्ष रूप से बना रहता है। हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट से उन्हें न्याय मिलेगा समाज में जिस तरह का बदलाव होता है। सभी वर्गों के बीच उस बदलाव का असर पड़ता है, यह बात सही है। लेकिन न्यायपालिका को लेकर कॉलेजियम सिस्टम आने के बाद न्यायपालिका के कामकाज में पारदर्शिता बनी हुई है। यदि यह पारदर्शिता समाप्त हो गई, तो भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा उत्पन्न होगा। वर्तमान में सरकार के कुछ ऐसे बयान भी सामने आए हैं। विशेष रूप से कानूनविद एवं राज्यसभा के सभापति ने विधायिका को सर्वोच्च बताते हुए संविधान को एक मार्गदर्शक बता दिया है। संविधान में कभी भी सरकार को परिवर्तन करने के अधिकार को उन्होंने सर्वोच्च मानते हुए न्यायिक समीक्षा से बाहर करने की कोशिश की है। यह अपने आप में प्रमाणित करता है, कि वर्तमान सरकार संविधान में वर्णित न्यायपालिका की स्वतंत्र भूमिका को अपने अधीन करना चाहती है। जिस तरह से संवैधानिक संस्थाओं में पिछले वर्षों में सरकार नियुक्तियां की हैं। हाल ही में चुनाव आयुक्त की जिस तरह की नियुक्ति सरकार ने की है। यह मामला जब सामने आया तो सभी को आश्चर्य हुआ। यदि यही स्थिति हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट के जजों में भी सरकार की मनमर्जी होगी। उसके बाद संवैधानिक संस्थाओं और न्यायपालिका के ऊपर आम जनता का विश्वास खत्म होगा। यह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को तो समाप्त करेगा। सरकारी तंत्र की मनमानी बढ़ने और आम जनता का आक्रोशित होना तय है। इस सारे विवाद में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने धीरज के साथ सरकार के सामने अपनी बात रखते रहे हैं। कानून मंत्री की किसी भी टिप्पणी पर उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। फैसले में भी वह अपने ऊपर कोई दबाव नहीं आने दे रहे हैं। जिससे जनता के मन में उनके प्रति आदर एवं विश्वास बढ़ा है।

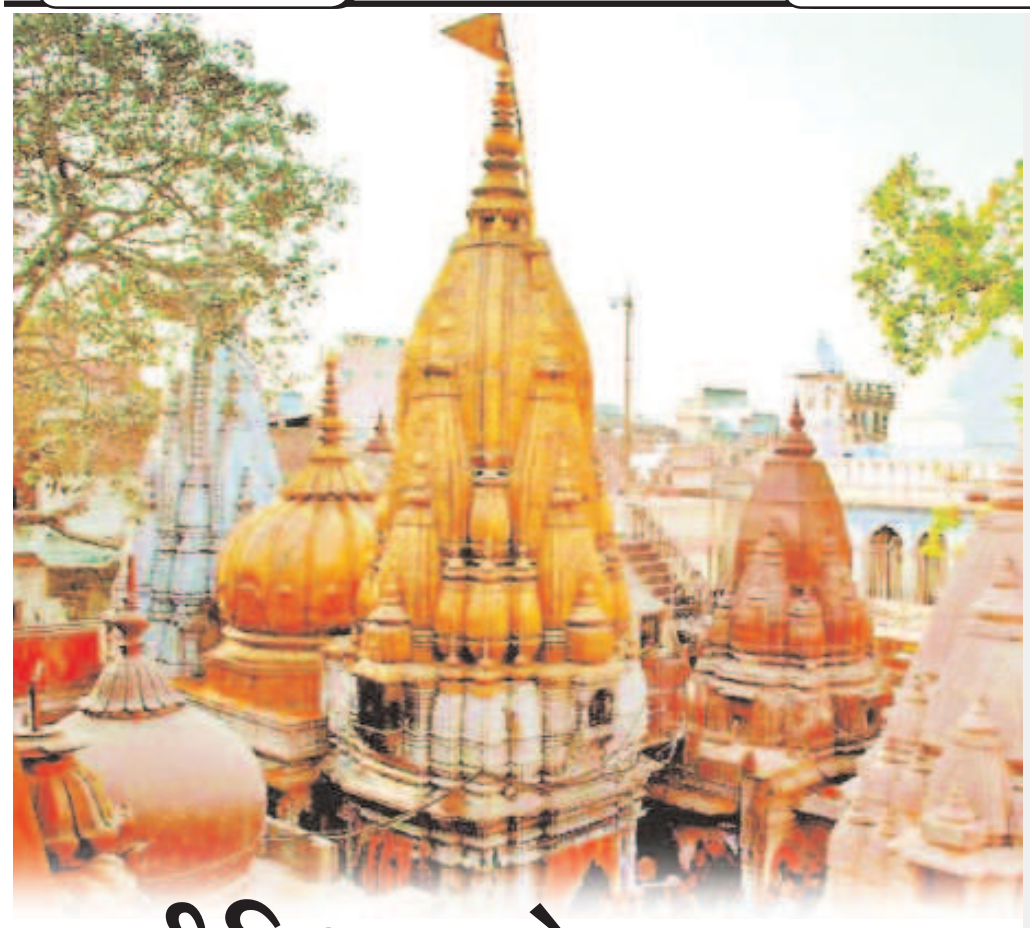

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तभोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्करणी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यव्था की गई है। यह शहर सुप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है।

ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे :**

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

  अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।
- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलत: पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

विदेशी निवेशको ने मार्च में भारतीय इक्विटी में 11,500 करोड़ निवेश किया

नई दिल्ली । विदेशी निवेशकों ने इस महीने अब तक भारतीय इक्विटी में 11,500 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसमें अडाणी समूह की कंपनियों में अमेरिका की जीक्यूजी पार्टनर्स के बड़े निवेश का प्रमुख योगदान रहा है। विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिका स्थित बैंकों सिलिकॉन वैली बैंक और सिग्नेचर बैंक के पतन के बाद आने वाले दिनों में एफपीआई सतर्क रुख अपना सकते हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 17 मार्च तक भारतीय इक्विटी में 11,495 करोड़ रुपए का निवेश किया। इससे पहले एफपीआई ने फरवरी में 5,294 करोड़ रुपए और जनवरी में 28,852 करोड़ रुपए की निकासी की थी। दिसंबर 2022 में एफपीआई ने 11,119 करोड़ रुपए का निवेश किया था। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि इसमें (मार्च में आवक) चार अडाणी शेयरों में जीक्यूजी द्वारा 15,446 करोड़ रुपए का थोक निवेश शामिल है। यदि इस निवेश को हटा दें तो एफपीआई द्वारा इक्विटी में जोरदार बिकवाली का संकेत मिलता है। एफपीआई ने वर्ष 2023 में अब तक इक्विटी में 22,651 करोड़ रुपए की बिकवाली की है।

अमेरिका बैंकों के डूबने से भारत में भी बैंकिंग क्षेत्र पर असर

मुंबई । अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक और सिग्नेचर बैंक के धड़म होने के बाद पिछले सप्ताह बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र के म्यूचुअल फंडों में छह फीसदी तक की गिरावट हुई। अमेरिका में बैंकिंग संकट से वैश्विक वित्तीय प्रणाली को झटके लगे और भारत में भी बैंकिंग क्षेत्र को लेकर निवेशकों की भावनाएं कमजोर हुईं। विशेषज्ञों का हालांकि मानना है कि भारतीय बैंकिंग क्षेत्र पर इसका सीधा असर मामूली सा है। बैंक शेयरों में लगातार बिकवाली के चलते इस क्षेत्र के म्युचुअल फंडों में भी गिरावट हुई। एसीई एमएफ एनएक्सटी द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार बैंकिंग क्षेत्र के 16 म्यूचुअल फंडों में सभी ने 17 मार्च को समाप्त सप्ताह में निवेशकों को 1.6 प्रतिशत से छह प्रतिशत के बीच नकारात्मक प्रतिफल दिया है। आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल अब तक इन फंडों ने आठ फीसदी से लेकर 10 फीसदी तक का नकारात्मक प्रतिफल दिया है। जिन फंडों में पिछले सप्ताह पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है,उसमें आदित्य बिड़ला सन लाइफ बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड, टाटा बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड, एचडीएफसी बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड, एलआईसी एमएफ बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड और निप्पॉन इंडिया बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड शामिल हैं।

एसजेवीएन ग्रीन इनर्जी को महाराष्ट्र में 1,000 करोड़ की परियोजना मिली

नई दिल्ली । सरकारी कंपनी एसजेवीएन ने कहा कि उसकी हरित ऊर्जा की अनुषंगी कंपनी को महाराष्ट्र में 200 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना मिली है। इस परियोजना की लागत 1,000 करोड़ रुपए है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी के पूर्ण स्वामित्व वाली एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एसजीईएल) को महाराष्ट्र राज्य बिजली वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) से स्वीकृति पत्र मिला है। यह परियोजना 18 महीने के अंदर पूरी होगी। यह समय एमएसईडीसीएल के साथ ऊर्जा खरीद समझौता (पीपीए) होने की तारीख से शुरू होगा। कंपनी ने बताया कि इस परियोजना की लागत लगभग 1,000 करोड़ रुपए होगी। इस परियोजना से पहले साल 45.55 करोड़ यूनिट बिजली उत्पादन होगा और 25 साल की अवधि में कुल बिजली उत्पादन 1,048 करोड़ यूनिट होगा। इस परियोजना के शुरू होने से 5,13,560 टन कार्बन उत्सर्जन के कम होने की उम्मीद है।

कॉमेट ईवी को अप्रैल में होगी पेश

-आ रही इंडिया की सबसे छोटी कार

नई दिल्ली ।
भारतीय बाजार में एमजी की बहुप्रतीक्षित कॉमेट ईवी को अप्रैल, 2023 में पेश किया जाएगा। मात्र 2.9 मीटर लंबाई के साथ यह भारतीय बाजार में सबसे छोटी कार होगी। वास्तव में, यह टाटा नैनो से छोटी है। एमजी मोटर इंडिया ने हाल ही में ऑफिशियल इमेज से पता चलेगा कि यह ईवी 2 डोर सेट-अप के साथ आने वाली है। यह लंबी और बॉक्सी स्टांस वाली कॉम्पैक्ट कार है। धूमकेतु ईवी इंडोनेशिया में बिक्री पर काफी हद तक वूलिंग एयर ईवी के समान दिखता है। चार्जिंग पोर्ट को एमजी ब्रांडिंग के तहत फ्रंट प्रावरणी के बीच में रखा गया है, जो एमजी जेडएस ईवी में पेश किए गए समान है।फ्रंट में, कॉमेट इलेक्ट्रिक वाहन में डुअल, वर्टिकली स्टैक्ड हेडलैंप, इंटीग्रेटेड टर्न इंडिकेटर्स के साथ एलईडी डे-टाइम रनिंग लैंप और डुअल-टोन फ्रंट बम्पर मिलता है। विंडस्क्रीन के नीचे एक क्रोम स्ट्रिप के साथ एक एलईडी लाइट बार है जो ओआरवीएम को मर्ज करने के लिए पूरी चौड़ाई में चलता है। कंपनी ने इस कार की ऑफिशियल इमेज जारी की है और सभी मॉडलों में डुअल-टोन कलर थीम होगी।डिजाइन में कॉम्पैक्ट होने के बावजूद एमजी कॉमेट ईवी सवारियों को कई आराम और सुविधा सुविधाएं देने का वादा करती है। केबिन एयर ईवी के साथ सुविधाओं और डिजाइन लेआउट को साझा करेगा। इसमें ड्यूल-टोन शेड में एक लेयर्ड डैशबोर्ड होगा। छोटी कार में स्लीक एयर-कॉन वेंट्स, एसी कंट्रोल के लिए पारंपरिक रोटरी नॉब्स, मल्टी-फंक्शनल टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल और टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट यूनिट के लिए बड़ी सिंगल-पीस स्क्रीन होगी। हैचबैक में डुअल 10.25 इंच का डिस्प्ले होगा - एक इंफोटेनमेंट के लिए और दूसरा इंस्ट्रूमेंटेशन के लिए, एक ऑटोमैटिक एयर कंडीशनिंग, कीलेस एंट्री, कनेक्टेड कार टेक और स्टीयरिंग माउंटेड कंट्रोल शामिल हैं.एमजी कॉमेट ईवी, वूलिंग एयर ईवी के साथ बैटरी पैक विकल्पों को साझा करेगा।

उदयशिवकुमार इंफ्रा लिमिटेड का आईपीओ 20 मार्च को खुलेगा

नई दिल्ली । शेयर बाजार में निवेशकों के लिए कमाई का एक और मौका मिलने वाला है। दरअसल, कंस्ट्रक्शन फर्म उदयशिवकुमार इंफ्रा लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ 20 मार्च को खुलेगा और इस पर दांव लगाने का आखिरी दिन 23 मार्च है। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 33 रुपए से 35 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी आईपीओ के जरिए 66 करोड़ रुपए जुटाएगी। 3 अप्रैल 2023 को शेयर बाजार में लिस्ट होने की संभावना है। बाजार जानकारों के मुताबिक कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 10 रुपए के प्रीमियम पर उपलब्ध हैं। बोली लगाने वाला लॉट में आवेदन कर सकेगा और आईपीओ के एक लॉट में कंपनी के 428 शेयर शामिल हैं। कपनी के शेयरों का आवंटन 28 मार्च, 2023 को होने की संभावना है। एमएएस सर्विसेज लिमिटेड को इश्यू का आधिकारिक रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। आईपीओ से होने वाली आय का इस्तेमाल वर्किंग कैपिटल जरूरतों के लिए और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। उदयशिवकुमार इंफ्रा रोड कंस्ट्रक्शन के काम से जुड़ी हुई है। यह कंपनी सरकारी विभागों सहित कर्नाटक में सड़कों, पुलों, नहरों और इंडस्ट्रियल एरिया कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स के लिए बोली लगाती है।

विप्रो ने अमेरिका में 120 कर्मचारियों को निकाला

सैनफ्रांसिस्को । आईटी प्रमुख विप्रो ने व्यावसायिक जरूरतों के पुनर्गठन के कारण अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में कम से कम 120 कर्मचारियों को निकाल दिया है। चैनल फ्यूचर्स की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने फ्लोरिडा डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक ऑपर्च्युनिटी में दायर वर्कर एडजस्टमेंट एंड रिटेनिंग नोटिफिकेशन (वार्न) नोटिस में छंटनी की विस्तृत जानकारी दी है। विप्रो द्वारा नौकरी में कटौती ताम्पा में केवल एक स्थान पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रभावित कर्मचारियों में से 100 से अधिक प्रसंस्करण एजेंट हैं। बाकी टीम लीडर और एक टीम मैनेजर हैं। विप्रो ने कहा कि यह एक अलग घटना है। रिपोर्ट के मुताबिक छंटनी, जो स्थायी हैं, मई में शुरू होंगी। भारतीय आईटी प्रमुख ने इस महीने की शुरुआत में ईस्ट ब्रंसविक, न्यू जर्सी में अपना अमेरिकी मुख्यालय खोलने की घोषणा की। विप्रो के संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और एलएटीएएम (मेक्सिको और ब्राजील) में लगभग 20,500 कर्मचारी हैं। भारत में, विप्रो ने जनवरी में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षणों में खराब प्रदर्शन के लिए 400 से अधिक नए कर्मचारियों को निकाल दिया था।

अदानी समूह का 34 हजार 900 करोड़ का पेट्रोकेमिकल प्रोजेक्ट का काम ठप

- हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट ने गौतम अदानी का सपना किया चकनाचूर

नई दिल्ली ।

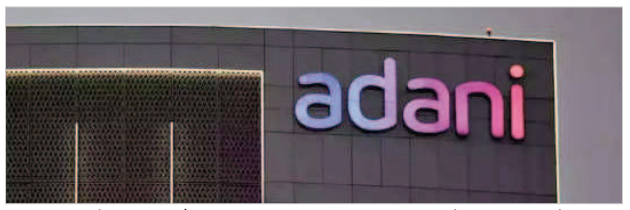

यूएस शॉर्ट सेलर हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट ने अदानी ग्रुप को भारी-भरकम नुकसान पहुंचाया है। भले ग्रुप की कंपनियों के शेयर रिकवर हो रहे हैं, लेकिन गौतम अदानी के सपनों को इस रिपोर्ट ने कुछ पीछे धकेल दिया है। सूत्रों ने बताया है कि अदानी ने 34 हजार 900 करोड़ रुपये के पेट्रोकेमिकल प्रोजेक्ट पर काम को रोक दिया है। गुजरात के मुंद्रा में इस प्रोजेक्ट पर काम हो रहा था। सूत्रों के अनुसार ग्रुप इस समय कंपनियों के परिचालन को मजबूत करने और निवेशकों की चिंताओं को दूर करने पर फोकस है। अदानी एंटरप्राइजेज ने साल 2021 में गुजरात के कच्छ में अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनोमिक जोन भूमि पर कोल टू पीवीसी प्लांट स्थापित करने के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड को इनकॉरपोरेट किया था, लेकिन 24 जनवरी की हिंडेनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के बाद परिस्थितियां बदल गईं। रिपोर्ट में अकाउंटिंग फ्रॉड, स्टॉक मैनिपुलेशन और दूसरे कॉरपोरेट गवर्नेंस खामियों के आरोप लगाए गए थे। इसके बाद अदानी ग्रुप की कंपनियों की कुल मार्केट वैल्यू 140 अरब डॉलर गिर गई थी। एपल से लेकर एयरपोर्ट तक के कारोबार में शामिल यह ग्रुप अब निवेशकों का भरोसा फिर से जीतने के प्रयासों में लगा है। ऐसे में ग्रुप की विस्तार योजनाओं को झटका लगा है। अदानी ग्रुप की कमबैक स्ट्रेटेजी निवेशकों की कर्ज से जुड़ी चिंताओं को दूर करने पर आधारित है। ग्रुप कुछ लोन्स का पेमेंट करके और परिचालन को मजबूत करके आरोपों से लड़ने का काम कर रहा है। ग्रुप ने हिंडनबर्ग द्वारा लगाए सभी आरोपों को सिरे से नकारा है। अडानी ग्रुप कैश फ्लो और उपलब्ध फाइनेंस के आधार पर अपने प्रोजेक्ट्स का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है।

मामले से जुड़े दो सूत्रों ने बताया कि जिन प्रोजेक्ट्स पर ग्रुप ने कुछ समय के लिए आगे नहीं बढ़ने का फैसला लिया है, उनमें एक मिलियन टन सालाना ग्रीन पीवीसी प्रोजेक्ट भी शामिल है। ग्रुप ने वेंडर्स और सप्लायर्स को तत्काल आधार पर सभी एक्टिविटीज को रोकने के लिए मेल भेज दिया है। मेल में ग्रुप ने मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड के ग्रीन पीवीसी प्रोजेक्ट के लिए अगले नोटिस तक सभी एक्टिविटीज को रोकने को कहा है।

टाटा मोटर्स ने यात्री वाहनों को सख्त उत्सर्जन मानदंडों के अनुरूप बनाया

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स ने अपने यात्री वाहनों को सख्त उत्सर्जन मानदंडों के अनुरूप बनाया है, जबकि मारुति सुजुकी इंडिया और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने भरोसा जताया है कि वे एक अप्रैल की समय सीमा से पहले अपने संबंधित उत्पादों में बदलाव कर लेंगे। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग इस समय अपने उत्पादों को यूरो-6 उत्सर्जन मानदंडों के बराबर भारत स्टेज-6 के दूसरे चरण को पूरा करने के लिए काम कर रहा है। इसके तहत चौपहिया यात्री और वाणिज्यिक वाहनों को उत्सर्जन मानकों के अगले स्तर के अनुरूप बनाना होगा। एस-6 उत्सर्जन मानदंड का दूसरा चरण एक अप्रैल से लागू होने वाला है। इन मानकों के लागू होने से कार की कीमतें भी बढ़ने का अनुमान है, क्योंकि ऑटोमोबाइल कंपनियां पावरट्रेन में अतिरिक्त उपकरण जोड़ने के लिए निवेश कर रही हैं। टाटा मोटर्स यात्री वाहन के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि हमारे वाहन तय समयसीमा से पहले ही फरवरी 2023 में बीएस-6 चरण दो उत्सर्जन मानदंडों के अनुरूप बन चुके हैं।

हमने बेहतर प्रदर्शन के साथ उत्पादों को उन्नत बनाया है, नई प्रौद्योगिकी विशेषताओं को जोड़ा है और वाहनों की वारंटी बढ़ाई है। उन्होंने कहा कि जहां तक कीमत का संबंध है, इस नियामक परिवर्तन से लागत में हुई बढ़ोतरी को फरवरी में घोषित मूल्य वृद्धि में आंशिक रूप से समाहित किया गया है। चंद्रा ने कहा कि बाकी हिस्सा अगली मूल्य वृद्धि में जोड़ा जा सकता है। इस बारे में किसी समयसीमा की पुष्टि नहीं कर सकते।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के ऑटोमोटिव प्रभाग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित समयसीमा के अनुसार कंपनी के सभी मॉडल बीएस-6 चरण दो मानदंडों का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि बीएस-4 से बीएस-6 में परिवर्तन की लागत के मुकाबले इस बार लागत काफी कम है और इसे चरणबद्ध तरीके से उपभोक्ताओं पर डाला जाएगा। मारुति सुजुकी इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी एक स्वच्छ वातावरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और तय समय पर बीएस-6 चरण दो में परिवर्तन को पूरा किया जाएगा।

भारत में घट रही स्टार्टअप की विफलता, जागरुकता की जरूरतः एसटीपीआई डीजी

पणजी । सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के महानिदेशक अरविंद कुमार ने कहा कि देश में स्टार्टअप की विफलता की दर क्रमिक रूप से घट रही है। कुमार ने बताया कि स्टार्टअप के बारे में युवाओं में जागरूकता अभियान की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह बताने की जरूरत है कि सरकार स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए क्या कर रही है। मैं कई इंजीनियरिंग कॉलेजों में जाता हूं। वे स्टार्टअप के बारे में कुछ नहीं जानते। वे एसटीपीआई के बारे में कुछ नहीं जानते। वे इस बारे में कुछ नहीं जानते कि सरकार क्या कर रही है। वह हाल ही में आईटी उद्योग के हितधारकों द्वारा आयोजित फ्यूचर टेक लीडरशिप फोरम गोवा 2023 को संबोधित कर रहे थे। कुमार ने कहा कि 12वीं कक्षा में छात्रों के लिए उद्यमिता पर एक विषय होना चाहिए, जहां उन्हें उत्पाद चक्र के बारे में समझाया जाए। उन्होंने कहा कि एसटीपीआई के निदेशक विभिन्न कॉलेजों में जा रहे हैं और स्टार्टअप के बारे में युवाओं को बता रहे हैं।

अमेरिकी बैंक संकटः पिछले सप्ताह बैंकिंग क्षेत्र के म्युचुअल फंडों में छह फीसदी तक गिरावट

नई दिल्ली ।

अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक और सिग्नेचर बैंक के धराशायी होने के बाद पिछले सप्ताह बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र के म्यूचुअल फंडों में छह फीसदी तक की गिरावट हुई। अमेरिका में बैंकिंग संकट से वैश्विक वित्तीय प्रणाली को झटके लगे और भारत में भी बैंकिंग क्षेत्र को लेकर निवेशकों की भावनाएं कमजोर हुईं। ऐसे में समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान बैंकिंग शेयरों में 3-13 प्रतिशत की गिरावट आई। विशेषज्ञों का हालांकि मानना है कि भारतीय बैंकिंग क्षेत्र पर इसका सीधा असर मामूली सा है। बैंक शेयरों में लगातार बिकवाली के चलते इस क्षेत्र के म्युचुअल फंडों में भी गिरावट हुई। एसीई एमएफ एनएक्सटी द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार बैंकिंग क्षेत्र के 16 म्यूचुअल फंडों में सभी ने 17 मार्च को समाप्त सप्ताह में निवेशकों को 1.6 प्रतिशत से छह प्रतिशत के बीच नकारात्मक प्रतिफल दिया है। आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल अब तक इन फंडों ने आठ फीसदी से लेकर 10 फीसदी तक का नकारात्मक प्रतिफल दिया है। जिन फंडों में पिछले सप्ताह पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है, उनमें आदित्य बिड़ला सन लाइफ बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड, टाटा बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड, एचडीएफसी बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड, एलआईसी एमएफ बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड और निप्पॉन इंडिया बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड शामिल हैं। एफवाईईआरएस के एक शोध प्रमुख ने कहा कि बाजार में जारी उतार-चढ़ाव और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका के कारण इन फंडों में गिरावट हुई। उन्होंने कहा कि इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) कई बैंकों और वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं में अपनी निवेश होल्डिंग को कम करने के लिए बिकवाली कर रहे हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें कुछ राज्यों में बदली

- ब्रेंट क्रूड 72.97 डॉलर प्रति बैरल पर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रे विवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 66.74 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 72.97 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव किए हैं। राजस्थान में पेट्रोल 96 पैसे गिरकर 108.07 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। यहां डीजल 87 पैसे घटकर 93.35 रुपए का हो गया है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 41 पैसे सस्ता होकर 96.36 और डीजल 40 पैसे गिरकर 89.53 रुपए का हो गया है। गुजरात और महाराष्ट्र में भी पेट्रोल और डीजल के दाम में कमी आई है। दूसरी ओर बिहार में पेट्रोल और डीजल के दाम 36 पैसा बढ़ गए हैं। छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और मध्य प्रदेश में ईंधन की कीमतों में तेजी दिख रही है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपए और डीजल 89.66 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

तेल-तिलहन की कीमतों में मिलाजुला रुख रहा

- सरसों, सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तेल में गिरावट रही

नई दिल्ली ।

सस्ते आयातित तेलों का असर दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को भी जारी रहा, जिसकी वजह से सरसों, सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल में गिरावट देखी गई बकि साधारण मांग के बीच मूंगफली तेल तिलहन के भाव में मामूली सुधार आया। बिनौला बीज की आवक कम होने से बिनौला तेल के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि सूरजमुखी और सोयाबीन जैसे नरम तेलों (सॉफ्ट आयल) का इतना अधिक आयात हो रखा है कि बिनौला और सरसों जैसे तिलहनों का बाजार में खपना दूभर हो गया है।

आयातित सूरजमुखी और सोयाबीन (सॉफ्ट आयल) का भाव इस प्रकार टूटा हुआ है कि महाराष्ट्र में देशी तेल मिलों को देशी सूरजमुखी बीज और सोयाबीन की पेराई में नुकसान हो रहा है क्योंकि इसकी लागत अधिक बैठती है और जो दाम बनता है वह सस्ते आयातित तेलों के कारण खरीदा जाना मुश्किल हो रहा है। बिनौला की बाजार में आवक भी पहले के 1.50 लाख गांठ से घटकर 1.08 लाख गांठ रह गई। यह खल की कमी पैदा करेगा और खल के दाम और महंगे हो सकते हैं। सूत्रों ने कहा कि अभी हाल ही में जयपुर में सरसों तेल संगठनों की बैठक में कहा गया कि सस्ते आयातित तेलों के मुकाबले सरसों को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए इसमें चावल भूसी तेल की भी मिलावट की शिकायतें मिल रही हैं। बैठक में यह भी कहा गया कि अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) अधिक निर्धारित किये जाने की वजह से ग्राहकों को सरसों तेल 180-200 रुपए लीटर के दाम बेचे जा रहे हैं जबकि देशी सरसों तेल का भाव लगभग 115 रुपए लीटर बैठता है। शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहेः सरसों तिलहन 5,275-5,325 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली 6,780-6,840 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,600 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली रिफाइंड तेल 2,540-2,805 रुपए प्रति टिन। सरसों तेल दादरी 10,950 रुपए प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी-1,710-1,780 रुपए प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी 1,710-1,830 रुपए प्रति टिन।

कमजोर रुख के कारण देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों का पूंजीकरण घाटा

मुंबई ।

शेयर बाजार में कमजोर रुख के बीच देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों का संयुक्त रूप से बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह 2.09 लाख करोड़ रुपए घट गया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और टीसीएस को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा। साप्ताहिक आधार पर बीएसई के 30 शेयरों वाले सूचकांक सेंसेक्स में 1,145.23 अंक यानी 1.93 प्रतिशत की गिरावट रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 67,722.33 करोड़ रुपए घटकर 15,04,001.93 करोड़ रह गया। वहीं टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 55,654.17 करोड़ रुपए घटकर 11,63,194.14 करोड़ रुपए रह गया। इंफोसिस का बाजार मूल्यांकन 21,250.8 करोड़ रुपए घटकर 5,97,905.17 करोड़ रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 16,108.93 करोड़ रुपए घटकर 4,72,290.46 करोड़, जबकि आईटीसी का मूल्यांकन 15,226.12 करोड़ रुपए घटकर 4,66,696.21 करोड़ रुपए रह गया। प्रमुख दूरसंचार कंपनी एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 9,053.44 करोड़ रुपए घटकर 4,22,177.07 करोड़ रुपए जबकि एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 8,982.11 करोड़ रुपए घटकर 8,77,318.09 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी लि. का बाजार मूल्यांकन भी 8,063.79 करोड़ रुपए घटकर 4,69,460.45 करोड़ रुपए रह गया। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 4,396.91 करोड़ रुपए घटकर 5,83,983.07 करोड़ रुपए जबकि हिंदुस्तान यूनीलिवर लिमिटेड (एचयूएल) का मूल्यांकन 3,465.65 करोड़ रुपए घटकर 5,75,273.92 करोड़ रुपए पर आ गया। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी के रूप में रिलायंस का स्थान बरकरार रहा। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, एसबीआई, एचडीएफसी, आईटीसी और भारती एयरटेल रहीं।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम को दस विकेट से हराया

-स्टार्क बने प्लेयर ऑफ द मैच

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने यहां दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम को दस विकेट से हराकर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया की जीत में तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क की अहम भूमिका रही। स्टार्क ने 53 रन देकर पांच विकेट लिए। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम 26 ओवर में 117 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद जीत के लिए मिले 118 रनों के लक्ष्य को 11 ओवर में ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बिना किसी नुकसान के हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज मिशेल मार्श ने नाबाद 66 और ट्रेविस हैड ने नाबाद 51 रन बनाये। शानदार गेंदबाजी करने के लिए स्टार्क को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला।

इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीत भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करते हुए 26 ओवर में 117 रन बनाकर ही आउट हो गयी। कप्तान रोहित शर्मा की वापसी के बाद भी टीम की बल्लेबाजी विफल रही और सात बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। यह भारतीय टीम का एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे कम स्कोर है। सबसे अधिक नाबाद 29 रन 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे अक्षर पटेल ने सबसे अधिक बनाए। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों के सामने भारतीय बल्लेबाज टिक नहीं पाये। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टार्क ने 5 विकेट लिए। वहीं सीन एबॉट को 3 विकेट मिले जबकि तेज गेंदबाज नाथन एलिस ने दो विकेट लिये।

इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ का टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला उनके गेंदबाजों ने सही साबित किया। स्टार्क ने पहले ही ओवर में शुभमन गिल को पेवेलियन भेजकर भारतीय टीम को पहला झटका दिया। इसके बाद स्टार्क ने 5वें ओवर में लगातार 2 गेंद पर कप्तान रोहित और सूर्यकुमार यादव को आउट कर भारत को दबाव में ला दिया। रोहित ने 15 गेंद पर 13 रन बनाए। वहीं सूर्या एक भी रन नहीं बना पाये।

हार्दिक पंड्या एक और लोकेश राहुल 9 रन बनाकर आउट हुए। भारत की आधी टीम 49 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने टीम को संभालने का प्रयास किया। नाथन एलिस ने 31 रन के स्कोर पर कोहली को आउट कर भारतीय टीम के प्रयासों पर पानी फेर दिया। जडेजा भी 16 रन बनाकर अपना विकेट गंवा बैठे। . अक्षर ने 29 गेंद पर 29 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में दो छक्के भी लगाये। स्टार्क के सामने भारतीय बल्लेबाज बेबस नजर आये। 10 ओवर के अंदर ही आधी टीम

पेवेलियन लौट गयी। 4 विकेट मिचेल स्टार्क ने किए।स्मिथ ने रोहित और उपकप्तान हार्दिक के कैच पकड़े। स्मिथ ने हार्दिक का स्लिप में शानदार कैच पकड़ा। स्मिथ ने इसी प्रकार रोहित शर्मा का भी कैच स्लिप में ही पकड़ा था।

विकास और परमजीत ने ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

नोमी(जापान) (एजेंसी)। भारत के 20 किमी पैदल चाल के एथलीट विकास सिंह और परमजीत सिंह बिष्ट ने रविवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप में क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल करके 2024 में होने वाले पेरिस ओलंपिक और 2023 में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। विकास और परमजीत ने एशियाई 20 किमी पैदल चाल चैंपियनशिप के पुरुष वर्ग में क्रमशः 1:20:05 सेकेंड (एक घंटा, 20 मिनट, पांच सेकेंड) और 1:20:08 सेकेंड के साथ दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। चीन के कियान हैफेंग (1:19:09) ने पहला स्थान हासिल किया।

पेरिस में 2024 में होने वाले ओलंपिक खेल और हंगरी के बुडापेस्ट में इस साल अगस्त में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाइंग मार्क 1:20:10 है और दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने इसे मामूली अंतर से हासिल किया। पिछले महीने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जीत दर्ज करके ओलंपिक और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने वाले अक्षदीप सिंह ने 1:20:57 का समय निकाला और वह पांचवें स्थान पर रहे।

प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार कोई देश आधिकारिक प्रविष्टियों के अलावा ओपन वर्ग में खिलाड़ियों को भेज सकता है लेकिन उनका प्रदर्शन आधिकारिक नहीं माना जाएगा। भारत ने ओपन वर्ग में चार पुरुष और तीन महिला खिलाड़ी भेजे थे। पुरुषों के वर्ग में दो अन्य भारतीय सूरज पंवार और हरदीप ने क्रमशः 1:22:31 और 1:25:38 का समय निकाला।

महिला वर्ग में पिछले महीने राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीतकर ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर चुकी प्रियंका गोस्वामी ने महिलाओं के आधिकारिक प्रवेश वर्ग में 1:32:27 का समय लेकर कांस्य पदक हासिल किया। वह कुल मिलाकर चौथे स्थान पर रही। भारत की मुनीता पजापति और भावना जाट ओपन वर्ग में क्रमशः 1:33:22 और 1:36:20 के साथ बड़े अंतर से ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग मार्क 1:29:20 से चूक गईं। इस तरह से भारत के अब तक चार एथलीट ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं।

सऊदी अरब में तीसरे स्थान पर रहे जेहान दारुवाला

जेद्दा । भारतीय ड्राइवर जेहान दारुवाला ने यहां सऊदी अरब चैंपियनशिप के दौर की स्प्रिंट रेस में तीसरा स्थान हासिल किया। यह फार्मूला टू में 16वां अवसर है जबकि उन्होंने पोडियम पर जगह बनाई। एमपी मोटरस्पोर्ट के इस 24 वर्षीय ड्राइवर ने 5वें स्थान से शुरुआत की और चैम्पियन बने अयुमु इवासा को आखिर तक चुनौती दी। उन्होंने बढ़त हासिल करने की पूरी कोशिश की लेकिन 3 लैप पहले इवासा से पिछड़ गए। जेहान शनिवार की इस रेस में इवासा के ठीक एक सेकेंड और उप विजेता विक्टर मार्टिंस से आधे सेकेंड पीछे रहे। यह इस सत्र में पहला अवसर है जबकि जेहान ने पोडियम (शीर्ष 3 में जगह बनाना) स्थान हासिल किया।

बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के सवाल पर बोले सचिन, मैंने कभी गांगुली जैसी तेज गेंदबाजी नहीं की

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में अब तक दो पूर्व खिलाड़ी ही बीसीसीआई अध्यक्ष के पद तक पहुंच पाये हैं। इसमें नंबर एक पर हैं सौरव गांगुली जबकि दूसरे नंबर पर हैं वर्तमान अध्यक्ष रोजर बिन्नी। बिन्ना पहली बार विश्वकप विजेता टीम में शामिल रहे थे। ऐसे में जब महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से पूछा किया कि वह इस पद के लिए जा सकते हैं तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्होंने अभी गांगुली जैसी तेज गेंदबाजी नहीं की है।

जब सचिन से पूछा किया कि अब तक दो क्रिकेटर बोर्ड अध्यक्ष बने हैं तो क्या आप भी इस पद पर पहुंचना चाहते हैं तो उन्होंने कहा कि मैंने इतनी ज्यादा तेज गेंदबाज कभी नहीं की है। उन्होंने ये इसलिए कहा क्योंकि गांगुली अपने को तेज गेंदबाज बॉलर मानते थे

सचिन ने साथ ही कहा, मुझे याद है, जब गांगुली ने टोरंटो में टूर्नामेंट के दौरान विकेट लिए थे। उस समय सौरव ने कहा था मैं थोड़ी और ताकत लगाउंगा तो 140 तक की तेजी से गेंद फेंक सकता हूं। इस पर सचिन ने कहा कि दादा तू जा सकता है। फिर उसने 2 दिन अभ्यास किया जिसके बाद उसकी पीठ अकड़ गयी। इसके बाद उसने कभी 140 के बारे में बात ही नहीं की। मैंने कभी 140 की गति से गेंद नहीं फेंकी और ना ही मैं ऐसा कर सकता हूं। सचिन ने इस दौरान कहा कि एकदिवसीय क्रिकेट को बचाने के लिए 50 ओवर के क्रिकेट को 2 भाग में बांट देना चाहिए। बल्लेबाजी बैटिंग करने वाली टीम पहले 25 ओवर खेले। इसके बाद बॉलिंग करने वाली टीम बचे हुए ओवर खेले।

श्रीलंका फॉलोऑन करने के बाद भी न्यूजीलैंड से 303 रन पीछे

मुम्बई (एजेंसी)। वेलिंगटन। श्रीलंका ने फॉलोऑन करने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन रविवार को यहां अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 113 रन बनाए और उसे पारी की हार से बचने के लिए अब भी 303 रन की जरूरत है। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी चार विकेट पर 580 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी जिसके जवाब में श्रीलंका की टीम 164 रन पर आउट हो गई। न्यूजीलैंड ने इस तरह से पहली पारी में 416 रन की बड़ी बढ़त हासिल की और उसके कप्तान टिम साउदी ने श्रीलंका को फॉलोऑन के लिए आमंत्रित करने में कोई देर नहीं लगाई। न्यूजीलैंड ने एक महीने पहले इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ फॉलोऑन करते हुए एक रन से

रोमांचक जीत दर्ज की थी।

श्रीलंका ने दूसरी पारी में सजग शुरुआत की। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय कुसल मेंडिस 50 और एंजेलो मैथ्यूज एक रन पर खेल रहे थे। पहली पारी में खाता खोलने में नाकाम रहे मेंडिस ने दूसरी पारी में तीसरे दिन का खेल समाप्त होने से ठीक पहले 96 गेंदों पर अपना 17वां अर्धशतक पूरा किया। तीसरे दिन के खेल में श्रीलंकाई बल्लेबाजी का आकर्षण कप्तान दिमुथ करुणारत्ने रहे। श्रीलंका ने सुबह अपनी पहली पारी दो विकेट पर 26 रन से आगे बढ़ाई तो करुणारत्ने ने नौवें विकेट के रूप में आउट होने से पहले टीम की तरफ से सर्वाधिक 89 रन बनाए।

इसके बाद वह फिर क्रीज पर उतरे और उन्होंने दिन का खेल समाप्त होने से आधा घंटा पहले साउदी की गेंद पर डीप मिडविकेट पर कैच देने से पूर्व 51 रन की पारी खेली। श्रीलंका की पहली पारी में करुणारत्ने के अलावा दिनेश चंदीमल (37) और निसान मधुशका (19) ही दोहरे अंक में पहुंचे। न्यूजीलैंड की तरफ से मैट हेनरी और माइकल ब्रेसवेल ने तीन-तीन विकेट लिये। श्रीलंका ने अपने आखिरी छह विकेट 50 रन के अंदर गंवाए।

शाहीन के ऑलराउंड प्रदर्शन से लाहौर ने एक रन से जीता पीएसएल खिताब

लाहौर । शाहीन अफरीदी के शानदार प्रदर्शन से लाहौर कलंदर्स ने यहां के गद्दाफी स्टेडियम में हुए पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के फाइनल मुकाबले में एक रन से जीत दर्ज कर अपने खिताब को बरकरार रखा है। मुल्तान सुल्तान के खिलाफ हुआ ये मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और अंतिम गेंद पर ही लाहौर को जीत मिल पायी। इस मैच में शाहीन ने गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलायी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए शाहीन ने लाहौर की तरफ से 45 रन बनाए। वहीं बाद में गेंदबाजी करते हुए 51 रन देकर चार विकेट भी लिए।

लाहौर ने इस मैच में पहले खेलते हुए छह विकेट पर 200 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मुलतान की टीम 199 रन ही बना पायी। इस मैच में लाहौर कलंदर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 14.1 ओवर में ही 112 रनों पर पांच विकेट गंवा दिये थे पर इसके बाद शाहीन ने आक्रामक बल्लेबाजी कर अपनी टीम को 200 रनों तक पहुंचाया। शाहीन ने 15 गेंदों में ही 44 रन बनाये। इस बल्लेबाज ने अपनी पारी में दो चौके और पांच छक्के लगाए।

लाहौर की ओर से इस मैच में मिर्जा बेग और फखर जमां ने पारी शुरु की। मिर्जा ने 30 जबकि फखर ने 34 गेंदों में 39 रन बनाए। वहीं शफीक ने 40 गेंदों में 8 चौके और दो छक्कों की सहायता से 65 रन बनाये। मध्यक्रम के बल्लेबाज रन नहीं बना पाये। बिलिंग्स 9, अहसान भट्टी 0 तो रजा 1 रन बनाकर पेवेलियन लौट गए। फिर शफीक ने शाहीन के साथ पारी को आगे बढ़ाया। मुलतान की ओर से उसमान मीर ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए।

होप के शतक से वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

ईस्ट लंदन (एजेंसी)। कप्तान शाई होप की शतकीय पारी की सहायता से वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 48 रनों से रनों से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की है। होप ने पहली बार एकदिवसीय में कप्तानी करते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए होप के नाबाद 128 रनों की सहायता से वेस्टइंडीज ने 8 विकेट पर 335 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले बेहद कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम 41.4 ओवर में 287 रनों पर ही सिमट गयी। कप्तान तेंबा बावुमा ने 118 गेंदों पर 144 रनों की पारी खेली पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। बावुमा के अलावा सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने 26 गेंदों पर 48 रन रन बनाये। वहीं बाकि बल्लेबाज नाकाम रहे। वेस्टइंडीज की ओर से अलजारी जोसेफ और अकील हुसैन ने तीन-तीन विकेट लिए।

इससे पहले वेस्टइंडीज की ओर से बल्लेबाजी करते हुए होप ने अपना 14वां शतक लगाया। उन्होंने निकोल्स पूरण और रोवमैन पॉवेल के साथ अच्छी साझेदारियां कर टीम को

335 तक पहुंचाया। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज बेबस नजर आए। गेराल्ड कोएट्जी की सफल रहे और उन्होंने 57 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि फॉर्च्यून और शम्सी ने 2-2 विकेट लिए।

महिला मुक्केबाजी विश्व चैम्पियनशिप : निकहत जरीन प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंची

नई दिल्ली । भारत की स्टार मुक्केबाज निकहत जरीन ने रविवार को यहां अल्जीरिया की बोआलम रोमायसा को हराकर महिला विश्व चैम्पियनशिप के प्री क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। 50 किग्रा स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा कर रही निकहत ने मौजूदा अफ्रीकी चैम्पियन को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर टूर्नामेंट में दूसरी जीत दर्ज की। दोनों मुक्केबाजों ने सतर्क शुरुआत करते हुए सुरक्षित दूरी बनाये रखी। पिछले चरण में स्वर्ण पदक जीतने वाली निकहत ने पहला अंक जुटाया। अल्जीरियाई मुक्केबाज को इसके बाद अंक मिला जिसके बाद दोनों मुक्केबाजों ने एक दूसरे को पछाड़ने का प्रयास किया। निकहत ने जहां 'कॉम्बिनेशन' (सभी तरीकों के मुक्के) मुक्के जड़कर अंक जुटाए, वहीं रोमायसा ने भारतीय मुक्केबाज के 'ओपन गार्ड' (गार्ड नीचे करके खेलना) से फायदा उठाकर कई मुक्के जड़े। पहला राउंड निकहत के पक्ष में रहा और दूसरे में भी उन्होंने रोमायसा को कोई मौका नहीं दिया जो आक्रामक होने की कोशिश कर रही थीं। फिर दोनों आक्रामक होने के बाद एक दूसरे को जकड़े रहीं लेकिन अंत में केडी जाधव स्टेडियम में विजेता बनी निकहत। निकहत ने मुकाबले के बाद कहा, 'आज मेरी रणनीति दबदबा बनाने की थी क्योंकि रोमायसा शीर्ष वरीय मुक्केबाज थीं। वरीयता का फायदा होता है। मुझे भी वरीयता मिली। अगर मैं शीर्ष वरीय को हराती हूं तो इससे 'जजों' पर प्रभाव पड़ता है।' उन्होंने कहा, 'मैंने उसके मुकाबले देखे हैं। अगर आप उसके करीब से खेलो तो वह काफी हावी हो जाती है। इसलिए मेरा लक्ष्य दूर से ही मुक्के जड़ने का था, हालांकि 'क्लिंचिंग' (एक दूसरे को जकड़ना) हुई।' दिन में एक अन्य मुकाबले में 2022 विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता मनीषा मौन (57 किग्रा) अपने अभियान की शुरुआत आस्ट्रेलिया की रहीमी टीना के खिलाफ करेंगी।

महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के प्लेऑफ में पहुंची दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने भी महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट (डब्ल्यूपीएल) के प्लेऑफ में प्रवेश किया है। दिल्ली की टीम प्लेऑफ में पहुंचने वाली दूसरी टीम है। कैपिटल्स के अभी 6 मैचों में 8 अंक है। आरसीबी की गुजरात जायंटस पर जीत के साथ दिल्ली को प्लेऑफ में प्रवेश मिला। प्लेऑफ में चार की जगह तीन ही टीमें क्वालीफाई करेगी। अंम तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी। वहीं दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीम को फाइनल में पहुंचने के लिए एलिमिनेटर मुकाबला खेलना होगा।

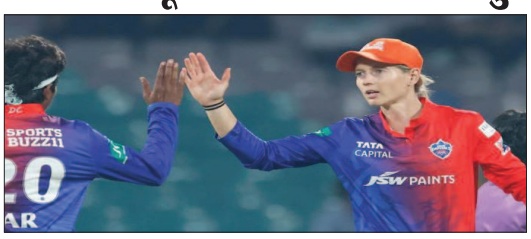

वहीं यूपी वॉरियर्स के भी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बनी हुई हैं। यूपी को इसके लिए केवल एक अंक चाहिये। एलिसा हीली की अगुवाई वाली इस टीम के अभी 6 मैचों में 6 अंक है। यूपी को टूर्नामेंट के बचे दो मुकाबले गुजरात जाएंट्स और दिल्ली कैपिटल्स से खेलने हैं। यूपी को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कम इनमें से एक मैच जीतना होगा।

वहीं डब्ल्यूपीएल 2023 के पहले 5 मैच हारने के बाद लगातार दो मैच जीतने से आरसीबी की भी प्लेऑफ की उम्मीदें बन रही हैं। वह अभी 7 मैचों में 4 अंकों के साथ चौथे पायदान पर है। आरसीबी का अगला मुकाबला मुंबई इंडियंस के खिलाफ है। टीम को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए इस मैच में बड़े अंतर से जीत दर्ज करने के साथ यूपी की हार की दुआ भी करनी होगी। अगर यूपी अगले दो मैच हारती है तभी आरसीबी नॉकआउट में पहुंच पाएगी वहीं गुजरात जाएंट्स का प्लेऑफ में पहुंचना बेहद कठिन है। गुजरात की टीम के अंक आरसीबी के बराबर है पर वह रन औसत में पिछड़ गयी है। इस कारण से टीम पांचवे पायदान पर है।

एटीपी मास्टर्स 1000 का खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने रोहन बोपन्ना

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। भारत के रोहन बोपन्ना यहां बीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैट एबडेन के साथ पुरुष युगल का खिताब जीतकर एटीपी मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। बोपन्ना अभी 43 वर्ष के हैं। उन्होंने और 35 वर्षीय एबडेन ने शनिवार को फाइनल में वेस्ले कूलहोफ और ब्रिटेन के नील स्कूपस्की की नीदरलैंड की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को 6-3, 2-6, 10-8 से हराया।

अपने 10वें एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में खेल रहे बोपन्ना ने कहा, 'वास्तव में विशेष। इसलिए इसे टेनिस का स्वर्ग कहा जाता है। मैं बरसों से यहां आ रहा हूं और लोगों को यहां खिताब जीतते हुए देख रहा हूं। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि मैं और मैट यहां खिताब जीतने में सफल रहे।' उन्होंने कहा, 'हमने कड़े और करीबी मैच खेले। आज हमारा सामना यहां मौजूद सर्वश्रेष्ठ टीम से था। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि हम ट्रॉफी जीतने में सफल रहे।'

बोपन्ना ने इस तरह कनाडा के डेनियल नेस्टर को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 2015 में सिनसिनाटी मास्टर्स में 42 साल की उम्र में खिताब जीता था। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मैंने डैनी नेस्टर से बात की और मैंने उनसे कहा कि मुझे खेद है कि मैं उनका रिकॉर्ड तोड़ने जा रहा हूं। यह खिताब हमेशा मेरे साथ रहेगा और मैं वास्तव में इससे बहुत खुश हूं।' बोपन्ना का यह कुल पांचवा और 2017 में मोंटेकार्लो ओपन के बाद पहला मास्टर्स 1000 युगल खिताब है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी का यह इस साल तीसरा फाइनल था। बोपन्ना अब तक टूर स्तर पर कुल 24 खिताब जीत चुके हैं। बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी ने सेमीफाइनल में गत चैंपियन और दो बार के खिताब विजेता जॉन इस्नर और जैक सॉक को हराया। इससे पहले क्वार्टर फाइनल में उन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर अलीसिमे और डेनिस शापोवालोव को पराजित किया था। भारत और ऑस्ट्रेलिया की इस जोड़ी ने अपने शुरुआती मैच में राफेल माटोस और डेविड वेगा हर्नांडिज़ को हराया था। विश्व में पूर्व नंबर तीन खिलाड़ी बोपन्ना इस जीत से एटीपी युगल रैंकिंग में चार पायदान चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

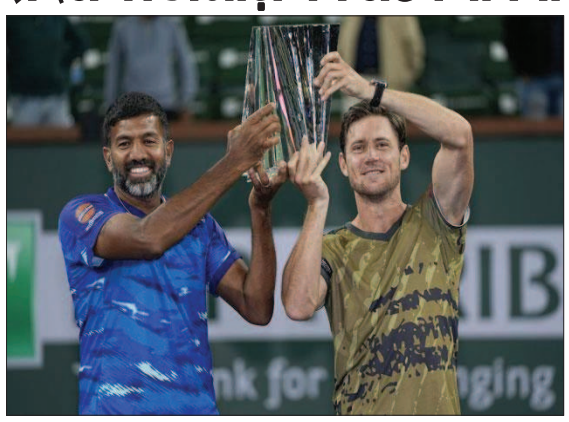

महिला प्रीमियर लीग : सोफी के शानदार प्रदर्शन से जीती आरसीबी

मुम्बई । सोफी डिवाइन की तूफानी पारी की सहायता से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में गुजरात जायंट्स पर 8 विकेट से शानदार जीत दर्ज की है। इस मैच में गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाए थे। आरसीबी की ओर से श्रेयंका पाटिल ने दो विकेट लिए। इस प्रकार आरसीबी को जीत के लिए 189 रनों का लक्ष्य मिला। जिसे आरसीबी ने 15वें ओवर की तीसरी गेंद पर ही हासिल कर लिया। आरसीबी की इस जीत में सोफी डिवाइन की 36 गेंदों में 99 रनों की आक्रामक पारी की अहम भूमिका रही। सोफी ने इस दौरान 9 चौके और 8 छक्के लगाये। सोफी के अलावा आरसीबी की ओर से कप्तान स्मृति मंधाना ने 31 गेंदों में 37 रनों रन बनाये। अंत में एलिस पेरी ने नाबाद 19 और हीथर नाइट ने नाबाद 22 रनों की पारी अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इससे पहले गुजरात की ओर से लौरा वोल्वार्ड्ट ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। लौरा ने 42 गेंदों में 9 चौके और 2 छक्के लगाकर 68 रन बनाये। गुजरात की पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही ओर सलामी बल्लेबाज सोफिया डंकले कुछ केवल मात्र 16 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद वोल्वार्ड्ट के साथ सबहिनेनी मेघना ने स्कोर आगे बढ़ाना जारी रखा। वोल्वार्ड्ट के अर्धशतक के अलावा मेघना ने 32 गेंदों में 31 रन बनाये। वहीं एशले गार्डनर ने 26 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की सहायता से 41 रन बनाये। अंत में दयानल हेमलता ने नाबाद 16 और हरलीन देओल ने नाबाद 12 रनों की रन बनाये।

गुरू-शिष्य के पधरामणी त्रिवेणी संगमोत्सव वेसु शिव कार्तिक आंगन में पावन प्रभु प्रतिष्ठा का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत।

मातृ श्री पूर्णिमाबेन जगदीशभाई बंगाड़ीवाला के गृह प्रांगण धर्मनगरी सूरत-वेसु के शुभ पथ पर श्री श्रेयांसनाथ दादा के गृह जिनालय प्रभु सह गुरु- शिष्य के पधरामणी त्रिवेणी संगमोत्सव वेसु शिव कार्तिक आंगन में पावन प्रभु प्रतिष्ठा का आयोजन रंग के साथ मनाया गया।

प्रतिष्ठित अवसर पर श्रेयांसनाथ दादा वरघोड़ो ने हाईटेक आवास छोड़ा, जो बाद में शिव कार्तिक पहुंचे जहां गुरु भगवंत का प्रवचन हुआ बाद में मातृ श्री पूर्णिमाबेन जगदीशभाई बंगड़ीवाला के घर में श्रेयांसनाथ दादा के घर गृह प्रवेश से सम्मानित किया गया।

7 - 7 आचार्य गुरु भगवंत का पवित्र निश्रा प्राप्त हुआ। जिसमें 92 वर्ष वैराग्यवारिधि पू. आचार्य देव श्री कुलचंद्रसूरीश्वरजी म. साहेब, प्रवचनप्रभावक पू. आचार्य देव श्री जिनसुंदरसूरीश्वरजी एम. साहेब (काका म.सा.), प्रवचनप्रभावक पू. आचार्य देव श्री मलयार्कितसूरीश्वरजी म. साहेब, प्रवचनप्रभावक पू. आचार्य देव श्री हंसकीर्तिसूरीस्वरजी म. साहेब, प्रवचनप्रभावक पू. आचार्य देव श्री भव्यकीर्तिसूरीश्वरजी म. साहेब और आचार्य भगवंत मुनिस रत्न मारा साहेब और आचार्य भगवंत अर्हमप्रभा महाराज साहेब के साथ पुत्र महाराज मुनि तारकरूचि विजयजी महाराज साहेब जो हमारे बंगड़ीवाला परिवार के रत्न हैं तथा हमारे (भतीजे महाराज) मुनि चंद्रप्रेम विजयजी महाराज साहेब आदि ठाना व चतुर्विधा संघ भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नए सिविल अस्पताल से अचानक लापता हुए मरीज का शव रांदेर क्षेत्र में फूटपाथ पर मिला

सूरत। शहर के नए सिविल अस्पताल से अचानक लापता हुए एक मरीज का शव रांदेर क्षेत्र में फूटपाथ से बरामद हुआ। बीते दिन ही मरीज को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उपचार के दौरान उसके अचानक गायब होने से परिवार ने उसकी खोजबीन शुरू की। जानकारी के मुताबिक सूरत के पांडेसरा क्षेत्र के नागसेननगर में रहनेवाले महाराष्ट्र के नासिक मूल के निवासी 64 वर्षीय अप्पा आहिर बीते दिन अपने घर में टेबल पर से गिर गए थे और जिसमें घायल होने के बाद उन्हें तत्काल एम्ब्युलैंस 108 के जरिए सूरत के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 64 वर्षीय अप्पा आहिर का इमर्जंसी ट्रोमा सेंटर में उपचार चल रहा था। दोपहर करीब 1 बजे अप्पा आहिर के ट्रोमा सेंटर से गायब होने पर परिजन चौंक उठे और अस्पताल परिसर में उनकी खोजबीन शुरू कर दी। लेकिन देर रात अप्पा आहिर के बारे में परिवार को कोई जानकारी नहीं मिली। आज सुबह से फिर परिवार ने अप्पा आहिर की तलाश शुरू की। नए सिविल अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में किसी मरीज का शव पड़ा होने की खबर मिलने के बाद परिजन वहां पहुंच गए। जहां अप्पा आहिर को मृत हालत में देख परिजन चौंक उठे।

गणगोर महोत्सव पर जीण संघ ने दिलाई गणगोर स्वरूपा कन्या की भ्रुण हत्या नहीं करने की शपथ

सूरत भूमि, सूरत। श्री अखिल भारतीय जीण माता सेवा संघ सूरत द्वारा राजस्थानी परंपरा के लौकिक त्योहार गणगौर बिंदोला पर्वत पाटिया स्थित पिंक सिटी अपार्टमेंट में बड़े ही अनूठे अंदाज़ से मनाया गया।

जीण संघ की लाडली महक खण्डेलवाल ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि जीण संघ द्वारा ईसर एवं गणगोर की भव्य झांकी सजाई गई। उपस्थित सभी महिलाओं ने गणगोर के म्हाने पूजन दो गणगौर, आदि लोक गीतों की सुंदर प्रस्तुति दी, एवं ढोल ढमाकों के साथ मनोहर नृत्य भी प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर संघ के मूलभूत उद्देश्य "बेटी बचेगी तो सृष्टि रचेगी" का संदेश भी अभिसंचरित किया गया। इस हेतु संघ द्वारा पतंगों पर "बेटी बचेगी तो सृष्टि रचेगी" का संदेश अभिलिखित किया गया और उदात्त संदेश वाली ये समस्त पतंगे उपस्थित महिलाओं ने अपने हाथों में लेकर संघ का बेटी बचेगी तो सृष्टि रचेगी का नारा बुलंद किया। साथ ही जीण संघ की लाड़ली अपेक्षा अभिषेक अग्रवाल द्वारा उपस्थित सभी महिलाओं को कन्या भ्रूण हत्या नहीं करने की शपथ भी करवाई गई।

इस अवसर पर नारी शक्ति के अभिनंदन एवं स्वागत हेतु जीण संघ द्वारा सभी महिलाओं को कुंकुम चावल से तिलक किया गया एवं अमर सुहाग के प्रतीक मांग टीका पहनाया गया। संघ के इस समाज मूल्यिक कार्यक्रम की उपस्थित समस्त महिलाओं ने भूरी भूरी प्रशंसा की।

दुनिया को राजव्यवस्था दिखाने वाले राजा आदिनाथ की जयंती पर सूरत के सभी पुलिस विभागों में लाडवा-प्रसाद का वितरण

सूरत

सूरत में वेसु जैन संघ के प्रणेता धनेरा आराधना भवन में विश्व के प्रथम राजा, प्रथम सन्यासी और प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ प्रभु के जन्मोत्सव में एक अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया गया जो पू. आ. सागरचंद्रसूरिजी के निश्रा में हुआ था।

दादा आदिनाथ ने धर्म की स्थापना से पहले राजनीति दी। जीवन शैली, कला, शिल्पकला और नीति का ज्ञान दिया और प्रथम राजा के रूप में 83 लाख ईसा पूर्व तक महत्वपूर्ण कर्तव्य निभाया। संस्कृति के दाता प्रभु की स्मृति में सूरत पुलिस विभाग के कई विभागों- डीएसपी, एसीपी, कंट्रोल रूम, ट्रैफिक ब्रिगेड, जेल ब्रिगेड आदि के अधिकारी, जो वर्तमान सुरक्षा व्यवस्था के प्रभारी हैं, वेसु उपाश्रय में आए थे।

दीप जलाने के बाद पू.आ. सागरचंद्रसूरिजी ने कहा कि चाहे कृष्ण हों या आदिनाथ - लेकिन वे भगवान बाद में थे, पहले राजा थे। राज्य व्यवस्था में सुरक्षा विभाग अत्यंत आवश्यक है। मुझे इन पुलिसकर्मियों में हनुमान की भूमिका दिखाई देती है जो सीता के लंका में होने की खबर का पता लगा लेते हैं।

वही सच्चा पुलिसकर्मी है जो समाज में खोए हुए संस्कारों को खोजता है। यदि किसी राज्य की स्थापना करनी है तो दुष्टों को दण्ड देना और सद्गुणों का आदर करना आदर्श वाक्य होना चाहिए। सत्य सर्वश्रेष्ठ ईश्वर है। पी-पावर, ओ-ऑर्गेनाइजेशन, एल-लीडरशिप, आई-आइडिया, सी-कंट्रोलिंग, ई-इफेक्टिवनेस पुलिस के गुण बताए गए।

इस अवसर पर डीएसपी सरोज कुमारी व अन्य को अशोकभाई कानूनगो आदि ने सम्मानित किया।सूरत के 7000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को लाडवा में बांटा गया। श्री अशोक मेहता व वेसु संघ के ट्रस्टी भी हर्षोल्लास से शामिल हुए।

डेयरी उद्योग ने महिलाओं को बनाया आत्मनिर्भर : केन्द्रीय मंत्री अमित शाह

अहमदाबाद।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा गांधीनगर लोकसभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद अमित शाह की उपस्थिति में शनिवार को गांधनगर में इण्डियन डेयरी एसोसिएशन (IDA) द्वारा आयोजित 49वाँ डेयरी उद्योग सम्मेलन आरंभ हुआ। इस डेयरी कॉन्फ्रेंस का आयोजन इण्डियन डेयरी एसोसिएशन के उपक्रम से किया गया है तथा देश भर के राज्यों के 2700 से अधिक डेयरी उद्यमी-संगठन इस तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस में सहभागी हो रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर डेयरी उद्योग, पशुपालन और दूध संग्रह क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्ति विशेषों को लगभग 10 पुरस्कार से सम्मानित किया। शाह ने कहा कि दुनिया के लिए डेयरी व्यापार का एक साधन है, परंतु भारत के लिए डेयरी उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोज़गार और महिला सशक्तिकरण जैसे बहुद्देश्यीय आयामों की बुनियाद है। उन्होंने कहा कि भारत देश की स्वतंत्रता के बाद अब तक डेयरी उद्योग ने देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने सहकारिता मंत्री के रूप में कृषि व किसानों की समृद्धि के लिए सहकारी डेयरियों द्वारा दिए गए योगदान पर गर्वानुभूति व्यक्त की। शाह ने कहा कि सहकारी डेयरियों ने देश की निर्धन महिलाओं को आत्मनिर्भर व आर्थिक रूप से सक्षम बनाने का कार्य किया है। स्वतंत्रता के बाद पहली बार 'सहकार से समृद्धि' ध्येय मंत्र को सिद्ध करने के उद्देश्य से प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पृथक सहकारिता मंत्रालय की स्थापना किए जाने और इस मंत्रालय का दायित्व उन्हें सौंपे जाने पर गौरवपूर्वक आभार की भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र में में हुए विकास में आईडीए का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। भारत के डेयरी क्षेत्र को विश्व का सर्वाधिक सुदृढ़ डेयरी क्षेत्र बनाने का एक प्रयास इस समिट में हुआ है। डेयरी व पशुपालन क्षेत्र का देश की जीडीपी में 4.5 प्रतिशत योगदान है, तो कृषि जीडीपी में डेयरी क्षेत्र का योगदान 24 प्रतिशत है। समग्र विश्व में कृषि क्षेत्र में डेयरी क्षेत्र का सर्वाधिक योगदान केवल भारत में ही है। अमित शाह ने कहा कि डेयरी उद्योग भारत की सुदृढ़ अर्थ व्यवस्था का हिस्सा है। लगभग 9 करोड़ ग्रामीण परिवार डेयरी के व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। पिछले एक दशक में 6.6 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से डेयरी सेक्टर ने विकास किया है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दुनिया में भारत देश सर्वाधिक दूध प्रसंस्करण करता है। भारत में दूध उत्पादन का 22 प्रतिशत प्रसंस्कृत किया जाता है। जितना दूध प्रसंस्कृत होकर विश्व के बाज़ार में जाता है, किसान की आय उतनी ही आय बढ़ती है। उन्होंने कहा कि दूध उत्पादन में आज हम 6 करोड़ लीटर प्रतिदिन से बढ़ कर 58 करोड़ लीटर प्रतिदिन तक पहुँचे हैं, जो डेयरी सेक्टर की प्रगति है। उन्होंने कहा कि केन्द्र की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार डेयरी सेक्टर के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। डेयरी सेक्टर के 360 डिग्री विकास के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार प्रतिबद्ध है।

उपभोक्ता अब रिटायरमेंट के बाद लोग अब जीवन के प्रति ज्यादा आशावादी रवैया अपनाते हैं

ICICI PRUDENTIAL LIFE INSURANCE

अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण मील के पत्थरों में से एक रिटायरमेंट के प्रति भारतीयों का वर्तमान रवैया है बदल रहा है और उनके लिए अब "रिटायरमेंट एक विराम है, एक पड़ाव नहीं,". यह खुलासा रिटायरमेंट योजना के प्रति लोगों के दृष्टिकोण को समझने के लिए आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के एक अध्ययन में हुआ जिसका शीर्षक था "क्या भारत रिटायरमेंट के लिए तैयार है?"

अध्ययन के निष्कर्षों पर टिप्पणी करते हुए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर श्री मनीष दुबे ने कहा कि भारत की रिटायरमेंट आबादी तेजी से बढ़ रही है और 2031 तक इसमें 41त्न की वृद्धि दिखने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त, लोगों की औसत उम्र बढ़ने के साथ लोगों का एक बड़ा वर्ग लंबी रिटायरमेंट की योजना के समाधान की तलाश में है.

दुबे ने कहा, "हमारे शोध में हमने पाया कि ज्यादा से ज्यादा लोग अब रिटायरमेंट को अपनी हॉबी का पता लगाने, अपने पैशन को जीने, और परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने के अवसर के रूप में देख रहे हैं। रिटायरमेंट योजना एक लंबी अवधि की प्रक्रिया है, इसलिए व्यक्तियों को इस लक्ष्य के लिए जितनी जल्दी हो सके बचत करना शुरू कर देना चाहिए। इससे उन्हें जीवन भर पर्याप्त नियमित आय अर्जित करने में मदद मिलेगी।"

निष्कर्ष बताते हैं कि रिटायरमेंट को एक ऐसे समय के रूप में सकारात्मक रूप से देखा जाता है जो संभावनाओं से भरा हुआ है। इसे एक ऐसे समय के रूप में देखा जाता है जब कोई नई शुरुआत कर सकता है और अपनी इच्छानुसार जीवन जी सकता है। बड़ी संख्या में लोग इसे मेंटेनेंस, अपग्रेडेशन और विकास के चरण के रूप में देखते हैं। जैसा कि 83% उत्तरदाताओं (respondents) ने संकेत दिया है कि रिटायरमेंट के बाद भी वर्तमान जीवन शैली को जारी रखना उनकी टॉप प्रायोरिटी है। हर पांच में से तीन उत्तरदाताओं कहा कि उनके रिटायरमेंट लक्ष्यों में जीवन का आनंद लेना, दोस्तों के साथ जुड़े रहना, विदेश यात्रा करना, आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस करना और अपने जीवन के इस नए अध्याय में मन की शांति (peace of mind) शामिल है।

हालांकि रिटायरमेंट का फेज उत्तरदाताओं के बीच सकारात्मक भावनाओं को जगाता है, साथ ही वे अपने जीवन के नए अध्याय की योजना बनाते समय महंगाई और बढ़ते चिकित्सा खर्चों को भी ध्यान में रखते हैं। कुछ लोगों ने महसूस किया कि यह उनके जीवन स्तर को प्रभावित कर सकता है। सर्वेक्षण में शामिल लोगों में से दो-तिहाई से अधिक ने बताया कि महंगाई को लेकर वे चिंतित हैं जो उनकी रिटायरमेंट सेविंग को प्रभावित करता है और जिससे उनकी लाइफस्टाइल भी प्रभावित होगी। साथ ही 67% उत्तरदाताओं ने अपनी रिटायरमेंट के दौरान एक लाइलाज बीमारी से पीड़ित होने पर चिकित्सा खर्चों का ध्यान रखने के लिए पर्याप्त रिटायरमेंट फंड की जरूरत बताई.

वर्तमान में, कुल आय का 11त्न रिटायरमेंट से जुड़ी सेविंग्स की ओर जाता है। सर्वेक्षण से पता चलता है कि उत्तरदाता रिटायरमेंट के लिए औसत 65.4 लाख रुपये के फंड को आदर्श मानते हैं।

संतान प्राप्ति की लालच देकर तांत्रिक ने किया महिला से दुष्कर्म, पुलिस ने किया गिरफ्तार

अहमदाबाद।

शहर की एक निसंतान महिला को संतान प्राप्ति के लिए तांत्रिक का संपर्क करना महंगा पड़ गया। तांत्रिक ने महिला को संतान प्राप्ति की लालच देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला की शिकायत के आधार पुलिस ने धूर्त तांत्रिक को गिरफ्तार कानूनी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद में रहनेवाली विवाहित महिला की गोद सूनी थी। संतान प्राप्ति के लिए महिला का संपर्क खेडा जिले के कपड़वंज निवासी दिलदार मिया उर्फ दिलावर मियां कालूमियां शेख से संपर्क हुआ। दिलदार ने महिला का संपर्क राजस्थान के बांसवाडा जिले में रहनेवाले मुकेश गरासिया नामक तांत्रिक से कराया। मुकेश गरासिया नामक तांत्रिक ने मीठी मीठी बातें कर महिला का विश्वास जीत लिया। महिला को भी यकीन हो गया कि अब संतान प्राप्त होगी। बाद में दिलदार मियां महिला को लेकर दाहोद जिले के फतेपुरागांव ले गया। फतेपुरा में राजस्थान के उमेदपुरा गांव एक डॉक्टर मिथुन सरकार का मकान है। उसी मकान में महिला को दिलदार लेकर पहुंचा। मकान के एक कमरे में महिला को निर्वस्त्र कर दिया और उसके बगल में एक दिया व पूजा की सामग्री इत्यादि रख दी। मुकेश गरासिया ने उस दौरान कुछ तांत्रिक विधि भी की और महिला के साथ दुष्कर्म भी किया। तांत्रिक का यह रूप देख महिला बुरी तरह से डर गई और भागकर अहमदाबाद आ गई। अहमदाबाद आने के बाद शहर के महिला पश्चिम पुलिस थाने में दिलदार मियां उर्फ दिलावर मियां और मुकेश गरासिया के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ की। जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इतना ही नहीं मोबाइल से अनेक महिलाओं और युवतियों की तस्वीरों समेत कई जानकारी मिली हैं। आरोपी तांत्रिक विधि से संतान प्राप्त कराने के लिए दो लाख रुपए की भी मांग करते थे।

वीएसओएल एसआरपीएस प्रा. अंबली रोड, अहमदाबाद में लिमिटेड की एक और स्टार्टअप पहल

Visol SRPS Pvt Ltd ने रविवार को अहमदाबाद के अंब्ली रोड में स्टार्टअप पहल के तहत एक और मल्टी ब्रांड शोरूम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर Visol SRPS Pvt Ltd के संस्थापक और अध्यक्ष विशाल ठक्कर के अनुसार, Visolके इस नए मल्टी ब्रांड शोरूम में ग्राहक हैं। सभी अलग-अलग ब्रांड के दुपहिया वाहनों की बिक्री की जाएगी, जिसके बाद उन सभी की आफ्टर-सर्विसिंग की जाएगी और यदि कोई ग्राहक अपने पुराने वाहन को रिफर्बिश्ड करवाना चाहता है, तो वह भी बहुत ही आकर्षक कीमत पर किया जाएगा। जिसे उस वाहन के जीवन में सात से आठ वर्ष जोड़ा जा सकता है। विसोल एसआरपीएस प्राइवेट लिमिटेड के अंबाली रोड शोरूम के बारे में अधिक बात करते हुए उन्होंने कहा कि स्टार्टअप पहल के तहत इस शोरूम का स्वामित्व दोनों महिला उद्यमियों का है। योग्य होने के साथ-साथ इस क्षेत्र की गहरी समझ होना। महिला उद्यमियों के लिए भारत सरकार का दृष्टिकोण विसोल एसआरपीएस प्राइवेट लिमिटेड ने रविवार को अहमदाबाद के अंबली रोड में स्टार्टअप पहल के तहत एक और मल्टी ब्रांड शोरूम लॉन्च किया। मल्टी ब्रांड शोरूम में ग्राहकों को एक ही स्थान पर दुपहिया वाहनों के सभी विभिन्न ब्रांडों की बिक्री की जाएगी।, जिसके बाद उन सभी की आफ्टर सर्विस की जाएगी और अगर कोई ग्राहक अपने पुराने वाहन को फिर से प्राप्त करना चाहता है, तो वह भी बहुत ही आकर्षक कीमत पर किया जाएगा, जिसके बाद उस वाहन की सात से आठ साल की लाइफ बढ़ाई जा सकती है।

विसोल एसआरपीएस प्राइवेट लिमिटेड के अंबाली रोड शोरूम के बारे में अधिक बात करते हुए उन्होंने कहा कि स्टार्टअप पहल के तहत इस शोरूम का स्वामित्व दोनों महिला उद्यमियों का है। योग्य होने के साथ-साथ इस क्षेत्र की गहरी समझ होना। जैसा कि भारत सरकार के पास महिला उद्यमियों के लिए एक महान दृष्टि है, हम इसे आगे बढ़ाकर खुश हैं। हम भविष्य में भी महिला उद्यमियों को अपना मताधिकार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आज की मुख्य अतिथि दोनों महिलाएँ भी हैं, जो अपने क्षेत्र में अग्रणी हैं और अच्छी ख्याति प्राप्त हैं।

डीएसपी म्यूचुअल फंड ने महिलाओं के लिए एक विशेष हॉटलाइन शुरू की

डीएसपी म्यूचुअल फंड ने महिलाओं को निवेश के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक समर्पित हॉटलाइन शुरू की है। अगर महिलाएं म्युचुअल फंड, निवेश या वित्तीय नियोजन की दिशा में अपना पहला कदम कैसे उठा सकती हैं, इसके बारे में अधिक जानना चाहती हैं, तो वे 8657011333 पर मिस्ड कॉल दे सकती हैं। महिलाएं पुरुषों की तुलना में अलग तरह से सोचती हैं और पैसे के प्रति उनके दृष्टिकोण और उनके आत्मविश्वास के स्तर के आधार पर अधिक व्यक्तिगत मार्गदर्शन की आवश्यकता हो सकती है। डीएसपी के विइनवेस्टर पल्स 2022 अध्ययन में अनुसंधान एजेंसी पार्टनर YouGov के साथ किए गए अध्ययन से पता चला है कि लगभग 3 में से 2 (65%) पुरुष अपने अधिकांश निवेश निर्णय स्वतंत्र रूप से लेते हैं लेकिन बहुत कम प्रतिशत (44%) महिलाएं ऐसा करती हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि महिलाओं (27%) की तुलना में पुरुषों का बहुत अधिक अनुपात (40%) पूरी तरह से स्वतंत्र निवेश निर्णय लेते हैं (बिना पेशेवर सलाहकार से परामर्श किए)।

अमित शाह ने सोमनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

अहमदाबाद।

दो दिवसीय गुजरात दौर पर आए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को सोमनाथ मंदिर में भगवान शिव जी पूजा-अर्चना की। साथ ही सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट की मोबाइल एप भी लॉन्च की। अमित शाह ने महादेव का जलाभिष किया। पुजारियों ने शास्त्रोक्त विधि से सोमेश्वर महापूजा, ध्वजा पूजा और पाघ पूजा करवाई। मंदिर में भक्ति, भव्यता और दिव्यता के प्रतिक स्वरूप प्रथम ज्योतिर्लिंग देवाधिदेव सोमनाथ महादेव के सामने शीष झुकाकर अमित शाह ने धन्यता का अनुभव किया। साथ ही जन सुखाकारी और जन कल्याण के लिए भगवान शिव जी प्रार्थना की। पूजा के बाद सोमनाथ ट्रस्ट के ट्रस्टी जेडी परमार, सेक्रेटरी योगेन्द्र देसाई ने स्मृति चिह्न अर्पण कर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का सम्मान किया। भगवान शिव की पूजा के बाद अमित शाह ने 'सोमनाथ यात्रा एप' का ई लोकार्पण किया। वन स्टोप सॉल्युलेशन 'सोमनाथ यात्रा एप' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में यात्रियों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस एप की मदद से तीर्थक्षेत्र सोमनाथ, भालका, राम मंदिर के मुख्य मंदिरों के जीवन दर्शन के अलावा आवास और सोमनाथ कैसे पहुंचने के साथ ही ट्रेन, बस और निकट के एयरपोर्ट की भी जानकारी उपलब्ध होगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)